JESUS REDEEMS MINISTRIES

युवा जीवन

मार्च 2023

वह आपको सामर्थ्य देगा

कि आप न केवल वह करें जो आप कर सकते
हैं बल्कि वह भी जो आप नहीं कर सकते!

प्रस्तावना

प्यारे युवा दिलों को नमस्कार!

जब हम चुनौतियों और समस्याओं का सामना करते हैं तो स्वाभाविक रूप से हम थक जाते हैं। कई बार हम हार मान लेते हैं क्योंकि हमारे पास विरोध करने या लड़ने की ताकत नहीं होती है। लेकिन जब परमेश्वर हमें मजबूत करता है तो हम असाधारण कार्य करते हैं। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि परमेश्वर जब किसी व्यक्ति को कोई काम या कार्य करने के लिए भेजता है, तो वह न केवल उसका खाका देता है बल्कि उसे उस कार्य को करने के लिए पर्याप्त शक्ति और ऊर्जा भी देता है।

परमेश्वर ने नूह से कहा, ''मैं जल से संसार का नाश करने जा रहा हूँ। इसलिए तुम्हें इन प्राणियों और उन जानवरों को बचाना चाहिए जिन्हें मैंने बनाया है और उन्हें संरक्षित करना है।" इसलिए, उसने नूह को 300 हाथ की लंबाई, 50 हाथ की चौड़ाई और 30 हाथ की ऊंचाई के साथ एक सन्दूक बनाने का आदेश दिया। नूह ने एक बड़े जहाज़ का निर्माण पूरा किया जो महान योजना के समान भव्य था। नूह ने अपना काम आपत्ति का एक भी शब्द कहे बिना वैसा ही किया जैसा यहोवा ने उसे करने को कहा था।

आज के लिहाज से यह सन्दूक 450 फुट लंबा, 75 फुट चौड़ा और 45 फुट ऊंचा था, जो फुटबॉल के मैदान से भी बड़ा दिखाई देता था। नूह का सन्दूक 20 टेनिस कोर्ट और 35 बास्केटबॉल कोर्ट में फिट होने के लिए काफी बड़ा था। इसकी ऊंचाई तीन मंजिला इमारत जितनी ऊंची थी। नूह ने इतना बड़ा काम कैसे पूरा किया?

अमेरिका के केंटकी में नूह के सन्दूक जैसा मॉडल बनाया गया है। उन्होंने इसे बनाने में अरबों डॉलर खर्च किए हैं और आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया है। परन्तु नूह के दिनों में उसने बिना किसी सुविधा के इतना बड़ा जहाज़ बनाया।

"प्यारे नौजवानों! आप कौन हैं और आपकी ताकत के बारे में सोचने के बजाय, उस परमेश्वर की शक्ति को जानकर कार्य करें जिसने आपको बुलाया और अभिषेक किया, और अपनी ताकत से आपको एक शक्तिशाली व्यक्ति के रूप में ऊंचा किया।"

जब आप उससे मजबूत होते हैं, तो आप असाधारण चीजें कर सकते हैं। यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि परमेश्वर इन जागृति के दिनों में युवाओं को सशक्त कर रहा है। वह आपको भी मजबूत और स्थापित करेगा। परमेश्वर आपके द्वारा उल्लेखनीय कार्य करने जा रहा है जो सोचते हैं, ''मैं कुछ नहीं कर सकता"। इसलिए मजबूत बनो, दृढ़ बनो और सुसमाचार फैलाने के लिए आगे बढ़ो... परमेश्वर तुम्हें मजबूत कर रहा है!

उद्धार की जागृति

सुसमाचार प्रचार उन लोगों की तलाश करना है जो पाप और शाप में हैं और यीशु की खुशखबरी की घोषणा करना और उन्हें ज्योति की संतान बनाना है जो अंधकार में हैं। जब यीशु सामरी महिला से मिला और उसे उद्धार का संदेश सुनाया, तो उसने न केवल इसे स्वीकार किया, बल्कि पूरे सामरी नगर में जाकर सुसमाचार का प्रचार किया और कई लोगों को मसीह में विश्वासियों के रूप में बदल दिया। प्रारंभिक प्रेरितों के दिनों से लेकर आज तक इस सुसमाचार का प्रचार दुनिया भर में किया जा रहा है।

यह ज्ञात नहीं है कि इथियोपिया की रानी कन्दाके के अधीन महान अधिकार का खजांची, जिसके पास उसके सारे खजाने का प्रभार था, किस मनोदशा में यरूशलेम शहर में आया था। परन्तु लौटते समय वह"...आनन्द करता हुआ अपने मार्ग चला गया" (प्रेरितों के काम 8:39)। उसकी खुशी का कारण सुसमाचार था जो प्रचारक फिलिप द्वारा प्रचार किया गया था। सामाजिक परिवर्तन का एक "पुनरुत्थान" (जागृति) होता है, जहाँ भी सभी लोगों के लिए आनंद लाने वाले सुसमाचार का प्रचार किया जाता है।

वेल्स में जागृति के परिणामस्वरूप, इंग्लैंड और जर्मनी के कई मिशनरियों ने खुद को सुसमाचार सेवा के लिए समर्पित किया और भारत के उत्तर-पूर्वी हिस्सों में बस गए। इन इलाकों में नागा आदिवासी रहते थे। उनके सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुसार, पुरुषों को अपने जीवनकाल में अधिक से अधिक मानव सिर एकत्र करने चाहिए। फिर उन सिरों को अपने घर की दीवार पर लटका देना होता है। इसके आधार पर वे उसकी किसी लड़की से शादी कर सकते हैं। आदिवासी युवा अधिक से अधिक मानव सिर इकट्ठा करते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनका विवाह अच्छी तरह से हो सके।

इन उग्र जनजातियों के बीच सुसमाचार का प्रकाश ले जाने के लिए, कई मिशनरियों ने यीशु की खुशखबरी (सुसमाचार) की घोषणा करने के लिए अपनी जान दे दी। उनकी निःस्वार्थ सुसमाचार की प्यास और समर्पण ने जनजातीय जाति (नागा) को यीशु तक पहुँचाया। यह नागा जाति थी जो उस दिन मिली थी जो नागालैंड बन गई, जो आज भारत में सबसे बड़ी मसीही आबादी वाला राज्य है।

वचन के अनुसार, "चाहे बोनेवाला बीज लेकर रोता हुआ जाए, परन्तु वह फिर पूलियां लिए जयजयकार करता हुआ निश्चय लौट आएगा", उस दिन आँसुओं के साथ यीशु को बोने वाले मिशनरियों के परिणाम ने नागालैंड में एक महान जागृति लाया।

मेरे प्यारे युवाओं! हमारे भारतीय राष्ट्र में बहुत से लोग पाप, अभिशाप और गरीबी में जी रहे हैं। केवल अगर आप एक प्रचारक या एक मिशनरी के रूप में सुसमाचार की प्रकाश लेकर जाते हैं, बिना इस उम्मीद से की कोई विदेशी के उनके बीच सुसमाचार की घोषणा करे, तो हमारा देश एक महान जागृति का अनुभव कर सकता है!

परमेश्वर द्वारा नियत समय में ऊंचा किया गया।

बहन गेट्ज़ी क्लेरविन

यह एक ऐसी हन का जीवन है जो एक मसीही परिवार में पैदा हुई थी, लेकिन उसने यीशु को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार नहीं किया, अपनी इच्छाओं के अनुसार जीवन जी रही थी, और अंततः परमेश्वर ने उसे अपनी ओर मोड़ लिया और आज उसकी सेवा करने के लिए उसे ऊंचा किया। ... वो खुद अपना अनुभव बांटती हैं कि यह सब कैसे हुआ... आइए, सुनते हैं।

अपने बारे में हमें बताएं?

मेरा नाम गेट्ज़ी क्लेरविन है। मैं चेन्नई में श्री जॉर्ज और श्रीमती ज्योति के तीसरे बच्चे के रूप में पैदा हुई थी। मेरे दो भाई हैं जिनका नाम हारून जेबराज और जेबस्टिन जेबराज है। प्रभु ने हम तीनों को उपयुक्त जीवनसाथी के साथ कृपा करके आशीष दी है। मैं अब शादीशुदा हूँ और शिवकाशी शहर में रह रही हूँ।

ठीक है... बचपन में आपके और यीशु के बीच संबंध कैसे थे?

यद्यपि मैं एक मसीही परिवार में पैदा हुई थी, हमारा पूरा परिवार केवल नाम के लिए मसीही प्रतीत होता था। मैं अपने स्कूल के दिनों में बिना दैनिक प्रार्थना के, बिना बाइबल पढ़े और सेवकाई करने की प्यास के बिना ही बड़ी हुई हूं।

मैंने अपने जीवन में यीशु को एटीएम मशीन के रूप में रखा। क्योंकि, परीक्षा के समय ही मैं उसे ढूंढ़ती थी। इसके बावजूद, वह मेरे जीवन में हमेशा भले रहे। आपको एक घटना बताती हूँ।

2012 में, मैं अपनी 12वीं की बोर्ड परीक्षा से सिर्फ 3 महीने दूर थी। उस समय एक परीक्षा के दौरान, मैंने वास्तव में रसायन विज्ञान में केवल 88/200 अंक प्राप्त किए थे और असफल हो गयी थी। कुछ दिनों के बाद, जब मैं कक्षा के बाहर बैठे अपने साथियों के साथ पढ़ रही थी, तो स्कूल के प्रिंसिपल मेरे पास आए और मुझसे पिछली परीक्षा में प्राप्त अंकों के बारे में पूछा। जब मैंने कहा कि मैं फेल हो गयी तो उसने सबके सामने मुझे बुरी तरह डांटा और मुझे ब हुत शर्मिंदगी महसूस हुई। इसने मुझे बहुत दु:ख दिया। जैसे ही मैं घर पहुँची, मैं अपने घुटनों पर गिर गयी और एक छोटी सी प्रार्थना की, '' यीशु, मुझे आप पर भरोसा है; मुझे कभी शर्मिंदा न होने दें।" न मैं थकी, न उस शिक्षक से नाराज हुई। इसके बजाय, मैंने परमेश्वर से प्रार्थना की और रसायन विज्ञान का अध्ययन किया और उसमें अपना अधिक ध्यान लगाया और अपनी बोर्ड परीक्षा दी।

मैंने उसी केमिस्ट्री में बोर्ड परीक्षा में 174/200 अंक प्राप्त किए, जिसमें मैं तीन महीने पहले फेल हो गयी थी। इसके अलावा, परमेश्वर ने मुझे रसायन विज्ञान में एमएससी, बीएड पूरा करने की कृपा की। इसके अलावा, प्रभु ने मुझे उसी स्कूल में विज्ञान शिक्षक के रूप में काम करने की कृपा दी, जहाँ मैं सबके सामने शर्मिंदा हुई थी।

वाह कमाल है...!!! आप कैसे बच गए? परमेश्वर और आपके बीच का रिश्ता कैसे खिला? उसके बारे में हमें बताएं।

2013 में, मैं क्रिश्चियन कॉलेज में अपना पहला साल कर रही थी। एक मसीही अध्यापक जो वहां थे, मुझे मेरे दोस्तों के साथ एक शिविर में ले गए। वहीं पर मैंने पहली बार अपने पापों को स्वीकार किया, यीशु के लहू से धोई गयी, और उद्धार प्राप्त किया।

मैंने नियमित रूप से प्रार्थना करना और बाइबल पढ़ना शुरू किया। हालाँकि, यह अधिक समय तक नहीं चला। मैं एक ही समय में परमेश्वर को खोजते हुए और संसार के अनुसार जीते हुए पाखंडी जीवन जीती थी। इस तरह सालों बीत गए।

ओह ... आपने इस स्थिति पर कैसे काबू पाया? आपका सेवा का जीवन कैसे शुरू हुआ?

2016 में, मैंने अचानक अपनी रीढ़ की हड्डी में कमजोरी विकसित हुई - डिस्क उभार। ऐसा कोई इलाज नहीं था जो हमने न लिया हो। इसके बावजूद कुछ काम नहीं आया।

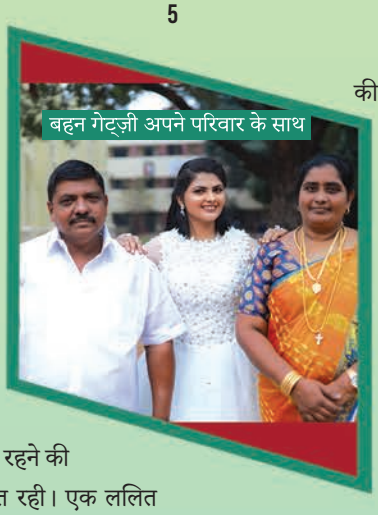
बहन गेट्ज़ी अपने परिवार के साथ

मैं तीन मिनट से ज्यादा बैठ, लेट या चल नहीं सकती थी। कई बार, जब मैं खाती, तब भी कष्टदायी दर्द के कारण मैं लेटने के लिए बिस्तर पर चली जाती थी।

डॉक्टरों ने कहा, 'उसे तुरंत एक सर्जरी के लिए जाने की जरूरत है। सर्जरी के बाद भी इस समस्या के जारी रहने की संभावना है।" मैं कई महीनों तक इस दर्द से पीड़ित रही। एक ललित रविवार को, जब मैं निराश होकर लेटी हुई थी, मैंने YouTube पर एक वीडियो देखा, ''गॉड - द हीलर"। जब मैं इसे देख रही थी, तो एक व्यक्ति जिसे मेरी जैसी ही बीमारी थी, यह गवाही दे रहा था, "प्रभु ने मुझे चंगा किया है।" इससे मेरा विश्वास बढ़ गया।

उसी पल, मैंने फैसला किया, "मैं इसके बाद किसी भी इलाज के लिए नहीं जाऊंगी; न तो मैं कोई दवाई खाऊंगी। कारण यह की, यदि परमेश्वर उस व्यक्ति को ठीक कर सकता है, तो उसे अवश्य ही मुझे ठीक करना चाहिए। मैंने इस आशा के साथ प्रार्थना की। मेरे साथ मेरे पिता ने भी प्रार्थना की। यह उस दिन था जब मैंने खुद को प्रभु की सेवा करने के लिए समर्पित किया था। मैंने कहा, "प्रभु, मेरे पैर मेरी कमजोरी हैं। इसलिए, मैं अपने पैर आपको सौंपती हूं।" एक सुबह, मेरे सपने में, "एक प्रकाश मुझ पर चमका। इसकी गर्मी भयानक थी और मैं इसे महसूस कर पा रही थी।" मैं तुरंत उठी और प्रार्थना करने लगी। उस समय मेरी जो दुर्बलता थी, वह बिलकुल मिट गई थी।

तब से, मुझमें उस दर्द का कोई निशान नहीं है। प्रभु ने मुझे मुफ्त में और पूरी तरह से चंगा किया। तभी से सेवकाई के लिए मेरी प्यास बढ़ने लगी। चमत्कारिक रूप से, ग्राम सेवकाई करने के लिए द्वार खोल दिए गए। हर रविवार, मैं और मेरी टीम की युवा लड़कियाँ गाँवों में जाती थीं और बच्चों के बीच सेवा करती थीं। प्रभु ने मेरे पैरों का इस्तेमाल किया।

ठीक है... आपने सेवकाई शुरू कर दी है... क्या आपने उसके बाद किसी संघर्ष का सामना किया है?

मैंने नियमित रूप से एक टीम के रूप में प्रार्थना करना और सेवकाई करना शुरू किया। मेरे माता-पिता ने मुझे सेवा में जाने से मना करना शुरू कर दिया क्योंकि मैं एक बच्ची थी। इसने मुझमें बहुत परेशानी पैदा की। तो, मैंने प्रभु से कहा, "मैं एक मसीही परिवार में पैदा हुई हूँ, फिर 'मैं सेवकाई के लिए आसानी से क्यों नहीं जा सकती '?"

प्रभु ने मेरे मन में कहा, "यह सच है कि तुम बाहर सेवा कर रही हो, लेकिन क्या तुमने अपने परिवार पर ध्यान दिया है? उनमें से कितने बचाए गए हैं?" तभी से, मैं बोझ के साथ अपने परिवार के उद्धार के लिए प्रार्थना करने लगी। साल 2018 से मैं हर रोज अपने परिवार में सभी का नाम लेकर प्रार्थना करने लगी।

प्रभु के दिशा-निर्देशों के अनुसार, हमने उनकी कृपा से पारिवारिक प्रार्थना शुरू की। भले ही इसके लिए कई संघर्ष और बाधाएँ थीं, प्रभु ने कृपा की और मुझे परिवार में होने वाली बेदारी के लिए इस्तेमाल किया। इसके अलावा, मेरी प्रार्थना थी कि "प्रभु, इससे पहले कि मैं शादी कर लूं और इस घर को छोड़ दूं, मेरे परिवार में सभी को बचा लिया जाए।" प्रभु ने मेरी प्रार्थना सुन ली।

2021 में मेरी शादी तय हुई। इस बीच मेरे परिवार के सभी लोग बच गए। आज मेरा परिवार प्रार्थना कर रहा है, बाइबल पढ़ रहा है और प्रभु की इच्छा के अनुसार उस पर विश्वास कर रहा है; पूरी तरह से रूपांतरित। यहाँ तक की, दो भाभी जो हाल ही में हमारे परिवार में आई हैं, वे प्रभु के लिए बहुत उत्साही हैं और सेवकाई कर रही हैं। हमारा परिवार एक आदर्श परिवार के रूप में बदल गया है जिस पर प्रभु की पूरी आशीष है।

हमें परिवार में आपकी सेवकाई के बारे में पता चल गया है, आपने और कौन-कौन सी सेवकाई की हैं, उसके बारे में थोड़ा बताएं?

दुनिया के अनुसार 'जो विनम्र शुरुआत का तिरस्कार कर सकता है', मैंने जो पहली सेवा कि वह एक प्रार्थना समूह में प्रतिदिन प्रार्थना बिंदु पोस्ट करना था। उसके बाद, मेरा प्रार्थना जीवन बदल गया मैं प्रभु की कृपा से प्रातः 3 बजे नियमित रूप से प्रार्थना करने की आदत में आ गयी। इसके माध्यम से, प्रभु ने मुझसे बात करना शुरू किया। मैं व्यक्तिगत प्रार्थना कर रही थी, और एक समूह के रूप में एक साथ प्रार्थना कर रही थी, और इसके बाद, हम विशेष रूप से अपने क्षेत्र के लिए प्रार्थना करने लगे। प्रभु मुझे प्रार्थना करने के लिए, प्रार्थना की सैर पर जाने के लिए, व्यापारियों को ट्रैक्ट बांटने के लिए, और मेरे घर के पास रहने वाले छोटे बच्चों को सुसमाचार सुनाने के

बहन गेट्ज़ी अपने पति और परिवार के साथ

लिए इस्तेमाल कर रहे थे। जब से मैंने प्रार्थना करना शुरू किया मुझे कई चमत्कार दिखाई देने लगे। मैं आपको उनमें से केवल एक बताऊंगी।

हमारी गली में लगातार कई अन्यायपूर्ण मौतें हुईं। हर हफ्ते कई मौतें हुईं, जैसे पारिवारिक विवाद में खुद को फांसी लगा लेना, एक युवक की दुर्घटना में मौत, मेरे घर के सामने रहने वाला एक छोटा बच्चा सुबह खेल रहा था, शाम के समय किसी बीमारी से मर गया। मैंने यह कहते हुए लगातार प्रार्थना की, "प्रभु जब तक मैं यहां हूं, ऐसी कोई अन्यायपूर्ण मौत नहीं होनी चाहिए। मैं इसकी जिम्मेदारी लेती हूं।" जब तक मैं वहां थी तब तक 4 साल में ऐसी एक भी अन्यायपूर्ण मौत नहीं होने देकर प्रभु ने हमारी गली के लोगों की रक्षा की।

इसी तरह, जिस स्कूल में मैं काम करता थी, और जहाँ मैं गाँव की सेवकाई के लिए गयी थी, वहाँ कई चमत्कार और चिन्ह हुए। यह केवल प्रभु की कृपा है कि मेरा इस तरह उपयोग किया गया, जो कभी बिल्कुल बेकार थी। सारी महिमा परमेश्वर की है।

आप जैसी कई लड़कियां हैं जो शादी से पहले सेवा करती हैं, क्या आप हमें बता सकती हैं कि शादी के बाद आपकी सेवकाई का जीवन कैसा है?

मैंने अपनी शादी में कई संघर्षों का सामना किया। चूँकि मेरा परिवार उस समय नहीं बचा था, उनकी अपेक्षाएँ अलग थीं; और चूंकि मैं सेवकाई कर रही थी, मेरी अपेक्षाएं भिन्न थीं। एक दिन एक विवाहित बहन ने मुझसे कहा, 'किशोरावस्था में मैंने भी आपकी तरह प्रभु की सेवा की थी' लेकिन विवाह के बाद मैं नहीं कर सकी। वह शब्द वास्तव में मुझे छू गया। मैं अपने आप से पूछने लगी कि वह महिला शादी के बाद सेवकाई क्यों नहीं कर सकी।

उसके बाद से, मैं प्रार्थना करने लगी, "प्रभु, मेरी शादी में, न तो मेरे माता-पिता की इच्छा और न ही मेरी इच्छा, लेकिन केवल प्रभु की इच्छा होनी चाहिए" और, "मुझे शादी के बाद आपकी और सेवा करनी चाहिए।" प्रभु चमत्कारिक ढंग से शिवकाशी से एक परिवार लाए।

प्रभु से एक संकेत के रूप में शांति प्राप्त करने के बाद, मैंने परिवार के रूप में 3 दिनों तक उपवास किया और इस निश्चितता के साथ विवाह के लिए राजी हो गयी कि यह प्रभु की इच्छा है। मैं अपनी शादी में देख रही हूं कि कैसे प्रभु की इच्छा भलाई उत्पन्न करती है। क्योंकि, जिस परिवार में मेरी शादी हुई है, वहां मेरे ससुर और मेरी सास दोनों पूर्णकालिक सेवक हैं।

मेरे पति हमेशा मुझे अच्छी सलाह देते हैं, और मुझे परमेश्वर के और करीब आने में मदद करते हैं और मुझे परमेश्वर की और अधिक सेवा करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। मेरा पूरा परिवार परमेश्वर की मेरी सेवा से बहुत प्यार करता है और हर तरह से मेरी मदद करता है। प्रभु ने मुझे यहाँ हर तरह से अधिक शक्तिशाली रूप से उपयोग कर रहे हैं जैसे कि गाँव के पास के कलीसियाओं में जाकर परमेश्वर के वचन का प्रचार करना, युवाओं को प्रशिक्षण देना और जो शादी के लिए तैयार हो रहे हैं उन्हें सलाह देना। प्रभु ने मेरी सभी अभिलाषाओं और इच्छाओं को पूरा किया है।

वचन के अनुसार, ' मेरे लिए माप की डोरी मनभावने स्थानों में पड़ी है', मैं प्रभु को मेरे पति, ससुर, सास और मेरे देवर के परिवार के लिए और अधिक धन्यवाद देती हूँ।

आप युवाओं को क्या कहना चाहेंगी?

"धन्य हैं वे लोग जिनका परमेश्वर प्रभु है!" हम धन्य लोग हैं। इसलिए, इस जीवन को प्रभु के हाथों में समर्पित करें, केवल उस पर भरोसा करें, उसकी आज्ञा माने, और बिना हिचकिचाए उस रास्ते पर चलें जो वह दिखाता है। आप अपने जीवन में कई अप्रत्याशित अच्छाई प्राप्त करेंगे। "इसलिए अपने आप को ईश्वर के शक्तिशाली हाथ के नीचे दीन करें, ताकि वह आपको उचित समय पर ऊंचा कर सके।"

प्रिय नौजवानों! सिस्टर गेट्ज़ी जो एक मसीही परिवार में पैदा हुई थी, और उसका यीशु के साथ कोई संबंध नहीं था, बीमार बिस्तर से चंगा होने के बाद प्रभु की ओर मुड़ी थी। यदि वह आज बहुतों के लिए साक्षी के रूप में उपयोग की जा सकती है तो परमेश्वर आपको बहुतों के लिए साक्षी के रूप में उपयोग करेगा। इसके लिए आपको उनके शक्तिशाली हाथों के नीचे विनम्रतापूर्वक आत्मसमर्पण करने की आवश्यकता है!

अंतरिक्ष की ओर एक यात्रा

सभी महत्वाकांक्षी विजेताओं को मेरी प्यार भरी शुभकामनाएं। मैं आशा करती हूँ कि आप अपने लक्ष्य को सफलता तक पहुँचाने के लिए हर दिन भरोसे के साथ कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हर असफलता जिसका आप सामना करते हैं और जिन संघर्षों से आप गुजरते हैं, वे खाद हैं जो आपके सफल जीवन को समृद्ध बनाने के लिए जोड़े जाते हैं। तो तैयार हो जाओ आत्मविश्वास के साथ तैरने के लिए। यहां आपको उत्साहित करने के लिए एक युवा विजेता की जीवन यात्रा है ...

अवनी चतुर्वेदी का जन्म 27 अक्टूबर 1993 को मध्य प्रदेश राज्य के रीवा जिले में हुआ था। अवनी का बचपन से ही कल्पना चावला जैसे हवाई जहाज उड़ाने का सपना था, उनके परिवार के दो सदस्य भारतीय सेना में कार्यरत थे। अवनी का बचपन से ही हवाई जहाज के प्रति आकर्षण था। सिर्फ मोह ही नहीं कुछ पाने की चाहत भी थी। स्कूल के बाद, उसने सफलतापूर्वक बी.टेक पूरा किया। कॉलेज के बाद, उसने आवेदन किया और भारतीय वायु सेना में शामिल होने के लिए परीक्षा दी। उसकी दृढ़ता के कारण उन्हें भारतीय सेना बल में शामिल होने का एक अवसर मिला। वह बड़ी उत्साह से इसमें शामिल हुई। इस तरह वह अपने कॉलेज में फ्लाइंग क्लब में शामिल हो गईं, जिसने उन्हें उड़ान का कुछ अनुभव दिया।

शुरुआत में उन्हें सामान्य विमान उड़ाने के लिए विभाग में चुना गया था।

इसके बाद उन्हें लड़ाकू विमान उड़ाने का अवसर मिला। पिलाटस विमान में बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्हें बाद में हैदराबाद के हाकिम घरेलू वायु सेना स्टेशन में लड़ाकू जेट उड़ाने का प्रशिक्षण दिया गया। एक साल के गहन प्रशिक्षण के बाद, उन्होंने जामनगर, गुजरात में एक एकल मिग 21 लड़ाकू विमान उड़ाया। इस प्रकार, उन्होंने लड़ाकू विमान उड़ाने वाली पहली भारतीय महिला बनने का गौरव प्राप्त किया। यह विमान दुनिया में सबसे तेज (340 किमी प्रति घंटा) उड़ान भरने में सक्षम है। अवनी चतुर्वेदी उन तीन महिलाओं में से एक थीं जिन्हें इस लड़ाकू विमान को उड़ाने के लिए भारत में पहली बार भारतीय वायु सेना में गहन प्रशिक्षण दिया गया था।

9 मार्च 2020 को चतुर्वेदी को 'नारी शक्ति पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। एक अच्छा फाइटर पायलट बनने की उसकी इच्छा दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। अवनी चतुर्वेदी की कहानी ने कई महिलाओं को प्रेरित किया है। अवनी को अपने जीवन में बहुत सारी बाधाओं का सामना करना पड़ा होगा। उन्होंने खुद को फाइटर पायलट के रूप में बदलने के लिए इतने घंटे बिताए होंगे। परिणाम स्वरूप, वह एक ऐसी महिला फाइटर पायलट के रूप में उभरी हैं, जिसकी हर कोई प्रशंसा करता है।

प्रिय युवा पाठकों! किसी का जीवन रातों-रात नहीं बदलता। यदि आप एक सफल जीवन जीना चाहते हैं, तो आपको इसकी कीमत चुकानी होगी। कड़ी मेहनत के साथ-साथ आपकी इच्छा आपको एक दिन निश्चित रूप से सफल बनाएगी। अपनी इच्छा के साथ अपने प्रयासों को करो। एक दिन आपका जीवन सराहनीय हो जाएगा। मेरी शुभकामनाएं!

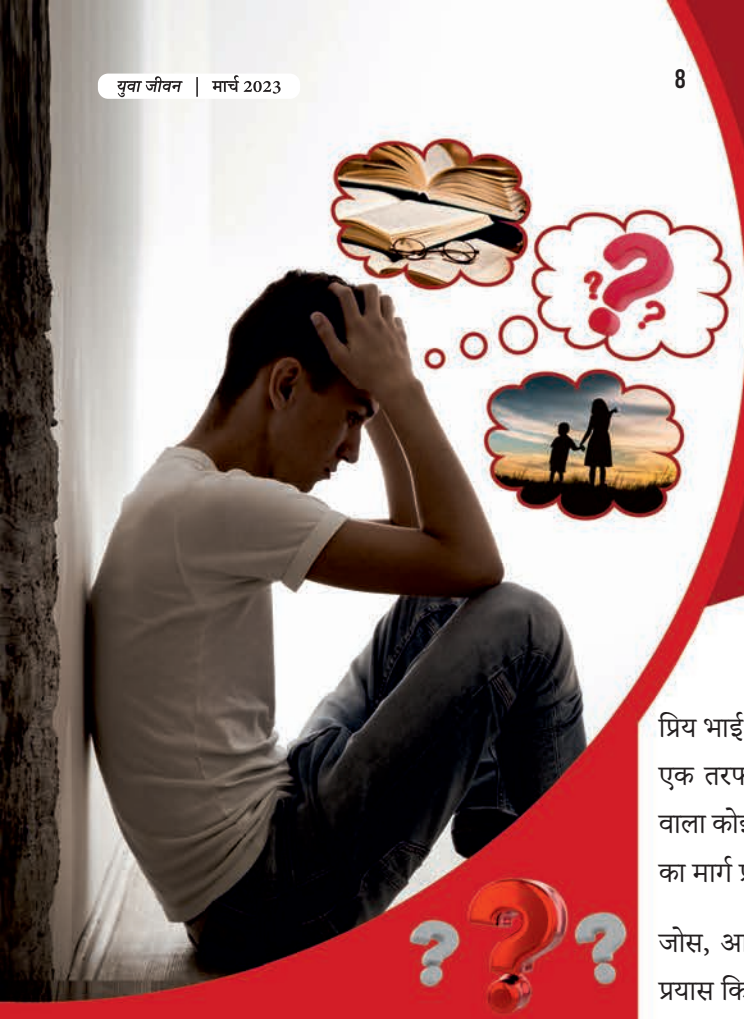

क्या मेरा सपना सच होगा?

Heart Beat Dream?

जब मैं 12वीं में था तब मेरी मां का देहांत हो गया। मेरी माँ मुझे पाठ पढ़ाती थी। मां के देहांत के बाद मुझे पढ़ाने वाला कोई नहीं था। मैं उनकी मौत से बहुत दुखी हूं। मैंने दो साल पहले 12वीं की परीक्षा दी थी और 3 विषयों में फेल हो गया था। एक दो बार लिखने के बाद भी मैं इसे पास नहीं कर पाया। मेरे परिवार ने यह कहते हुए मेरी आलोचना की कि मैं किसी भी चीज के लिए योग्य नहीं हूं। लेकिन इस साल मैं अपनी पूरी कोशिश करने जा रहा हूं और परीक्षा में शामिल होऊंगा। लेकिन मुझे डर लग रहा। मेरी मां हमेशा चाहती थीं कि मैं कंप्यूटर इंजीनियर बनूं। कृपया मुझे बताएं कि कैसे पढ़ाई करूँ और परीक्षा को कैसे पास करूँ

- जोस, बैंगलोर।

प्रिय भाई जोस, मैं आपका दुख और मानसिक तनाव समझ सकता हूं। एक तरफ आपकी मां का निधन, दूसरी तरफ आपको सांत्वना देने वाला कोई नहीं है। इसके अलावा पढ़ाई में असफलता ने आपके थकने का मार्ग प्रशस्त किया है।

जोस, आपकी स्थिति में कोई भी फंस गया होता, लेकिन आपने दो प्रयास किए हैं। इससे पता चलता है कि आप बहुत मजबूत इंसान हैं। आप अपनी मां की हानि, दुख और असफलता के बावजूद दूसरों की मदद के बिना अपनी समस्या से लड़ रहे हैं। किसी के प्रोत्साहन के बिना, नुकसान के मध्य में, दर्द और हार के द्वारा कुचले जाने के बावजूद आप प्रयास कर रहे हैं, आपके इन प्रयासों की मैं प्रशंसा करता हूं।

लड़ने के लिए जिन दो महत्वपूर्ण पहलुओं की आवश्यकता होती है वे हैं आत्मविश्वास और दृढ़ता। मुझे तुममें ये दोनों दिखाई दे रहे हैं। असफलताएं या आलोचना करने वाली दुनिया आपको नीचे नहीं गिरा सकती। लेकिन जब आप विश्वास करते हैं और इन शब्दों के बारे में सोचते रहते हैं तो यह आपको थका सकता है। वह थकान अंततः चिंता में बदल सकती है, फिर भय में और आपके प्रयासों को रोक सकती है। "आप यह नहीं कर सकते, आप जीत नहीं सकते, आप किसी काम के नहीं हैं" जैसे शब्द आपको नीचे नहीं गिरा सकते।

जोस, यह आपके हाथ में है कि आप उठें और वापस लड़ें या वापस बैठें और झूठ और निराशावादी शब्दों से अपंग हो जाएं जो दुनिया आपको बताती है।

आपकी सहायता के लिए कोई है, और वह यीशु है। वह आपके हृदय के खालीपन को आराम से भर सकता है, आपको दृढ़ विश्वास से मजबूत कर सकता है, आपको विजय की सीढ़ी पर चला सकता है और आपको सफलता के शिखर पर उन लोगों के सामने उठा सकता है जिन्होंने आपको नीचे गिराया है।

अगर आप आलोचना करने वाले शब्दों पर भरोसा कर लें तो क्या हो सकता है?

- आप एक कोने में अटके रहेंगे, बिल्कुल भी नहीं पढ़ पाएंगे।
- मां का कंप्यूटर इंजीनियर बनने का सपना हमेशा के लिए सपना बनकर रह गया।
- नकारात्मक विचार आपको अपंग बना सकते हैं और हतोत्साहित कर सकते हैं।
- परिवार के अथक निराशाजनक शब्द आपके जीवन को कड़वा कर देंगे।
- इसे और भी बदतर बनाने के लिए, शैतान 'मैं क्यों जीवित रहूँ?' के विचार मन में डालेगा।
- लड़ने की इच्छाशक्ति की कमी के कारण हार मानने और व्यर्थ जीवन व्यतीत करने का अवसर मिलता है।

उदासी और असफलता जैसे ये नकारात्मक विचार आपको यीशु के प्यार को महसूस करने या स्वीकार करने नहीं देंगे,

यदि आप लड़ने के लिए उठते हैं, तो आप किस प्रकार के शिखर पर पहुँच सकते हैं?

- सबसे पहले अपने मन को यह कहकर प्रोत्साहित करें, "मैं कर सकता हूँ, मैं कोशिश करूँगा, मैं प्रतिदिन अभ्यास करूँगा, मैं कठिन अध्ययन कर सकता हूँ, मैं बिना भ्रमित हुए लिख सकता हूँ"।
- दृढ़ विश्वास करें कि तीन बार असफल होना स्थायी असफलता नहीं है।
- यदि आप थोड़ा सा ध्यान केंद्रित करते हैं, तो आप अपने कॉलेज की पढ़ाई के साथ +12 परीक्षा और प्रक्रिया को पास कर सकते हैं
- यीशु आपको आपकी माँ के प्यार से दिलासा देगा। आपको विश्वास करना होगा कि वह आपको मजबूत कर सकता है।
- सिर्फ कॉलेज की पढ़ाई ही नहीं, यकीन मानिए आप कंप्यूटर इंजीनियर का अपनी मां का सपना पूरा कर सकते हैं।
- मैं एक ऐसी बहन को जानता हूं जिसने अपनी अक्षमता के बारे में कभी नहीं सोचा था उसे विश्वास था कि यीशु उसे मजबूत कर सकता है। पढ़ाई के दौरान, यह कहते हुए खाली कुर्सी रखती कि यीशु उसके साथ बैठो और उसे पढ़ने में मदद करो, इस तरह उसने अपने स्कूल में पहला अंक प्राप्त किया। आप भी इस तरह कोशिश कर सकते हैं।
- पढ़ाई करते समय अपने बगल में एक कुर्सी रख दें और कहें कि यीशु मुझे मेरी मां की तरह पढ़ाएंगे।
- अपने आप को यह कहते हुए चुनौती दें कि आप उन रिश्तेदारों और परिवार के सामने आत्मविश्वास से रहेंगे जिन्होंने आपका अपमान किया है।

निश्चित रूप से आप एक विजेता बन सकते हैं। आपका चुनौतीपूर्ण जीवन बहुतों के लिए प्रेरणा बन सकता है। यीशु आपको वह सफलता, विकास और मानसिक आत्मविश्वास देगा!

प्रार्थना करो और कार्य करो !!

"वह निर्बलों को बल देता है, और शक्तिहीन को बहुत सामर्थ देता है..." (यशायाह 40:29)।

परमेश्वर द्वारा मजबूत किया गया

1960 में पैरालिंपिक की शुरुआत के बाद से, भारत की किसी भी महिला ने पदक नहीं जीता था।

लेकिन, 2016 में ब्राजील में हुए पैरालिंपिक में दीपा मलिक ने शॉट पुट इवेंट में 4.61 मीटर फेंकने के साथ रजत पदक जीतकर भारत के अकल्पनीय सपने को साकार कर दिया। उनका जन्म 30 सितंबर 1970 को हरियाणा के सोनीपत जिले के एक छोटे से गाँव में एक सेना अधिकारी की बेटी के रूप में हुआ था।

दीपा मलिक, जो हर दूसरे बच्चे की तरह सक्रिय और स्वस्थ थी, को 5 साल की उम्र में रीढ़ की हड्डी के ट्यूमर का पता चला और तीन साल के इलाज और फिजियोथेरेपी के बाद ठीक हो गई। हालाँकि, 1999 में, 29 साल की उम्र में, वह अपनी रीढ़ में उसी कैंसर के ट्यूमर की पुनरावृत्ति से पीड़ित हुई और डॉक्टरों के पास ऑपरेशन करने के अलावा और कोई चारा नहीं बचा था। उन्होंने उसे स्पष्ट कर दिया कि सर्जरी के

गंभीर परिणाम होंगे। उसके शरीर से कैंसर के ट्यूमर को खत्म करने के लिए 3 सर्जरी और 183 टांके लगाने पड़े। लेकिन, इसने उसे कमर से नीचे लकवा मार दिया।इस घटना ने उसके जीवन को उल्टा कर दिया।

सर्जरी के बाद करीब छह साल तक उनकी फिजियोथेरेपी हुई। वह एक तरफ शारीरिक कमजोरी और दूसरी तरफ मानसिक क्षति से पीड़ित थी।

उसके शारीरिक दर्द और मानसिक अवसाद के बावजूद, वह टूटी या अक्षम नहीं हुई बल्कि उपलब्धि की भावना से खुद को मजबूत किया, जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना किया, कष्टों को सहन किया और उपलब्धियों की ओर बढ़ने लगे।

उनके अथक प्रयासों और दृढ़ता ने न केवल शॉट पुट में बल्कि भारत और विदेशों में तैराकी, भाला फेंक, डिस्कस थ्रो और मोटरसाइकिलिंग जैसे कई खेल आयोजनों में भी अपनी चमक बिखेरी। उसने विभिन्न खेल आयोजनों में 18 अंतरराष्ट्रीय और 54 से अधिक राष्ट्रीय पदक जीते हैं। इसके अलावा, वह 2012 में अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली विकलांग महिला थीं। उन्हें 2017 में पद्म श्री पुरस्कार और 2019 में राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार भी मिला है। आज, वह भारत की पैरालंपिक समिति की अध्यक्ष हैं।

दीपा मलिक एक सफल जीवन जी रही हैं क्योंकि उन्होंने अपनी शारीरिक दुर्बलताओं

को खुद को हतोत्साहित या निराश नहीं करने दिया, बल्कि खुद को मजबूत किया और अपने रास्ते में आने वाले अवसरों का लाभ उठाया।

अपने आप को परखें। पढ़ाई में फेल होने, शारीरिक कमजोरी, मनचाहा अंक न मिलने, मनचाहे कॉलेज में सीट न मिलने से क्या आप लकवाग्रस्त होने जा रहे हैं? या फिर दीपा मलिक के समान आप हर मौके को जो आपके रास्ता में आए इस्तेमाल करें और सफलता का पीछा करेंगे? जीवन में संघर्षों

और विपरीत परिस्थितियों को निराश न होने दें।

दुःख न केवल आपके शरीर और मन को प्रभावित करता है, बल्कि यह आपको उस बिंदु तक पंगु बना देता है जहाँ आप यह नहीं सोच सकते कि आगे क्या करना है। कर्मेल पर्वत पर, भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने स्वर्ग से आग लाकर बाल के नबियों को थर्राया, लेकिन बाद में ईज़ेबेल के शब्दों को सुनकर उदास हो गया और आगे क्या करना है, इस बारे में असमंजस में पड़ गया। वह एक झाड़ू के पेड़ के नीचे बैठ गया और उसने अपने जीवन को समाप्त करने का विचार किया, लेकिन परमेश्वर ने अपना दूत भेजकर उसे बल दिया।

उस बल से जो परमेश्वर ने उसे दिया था, एलिय्याह चालीस दिन और रात चला और उस योजना को पूरा किया जो यहोवा ने उस पर रखी थी। परमेश्वर के पास आपके लिए भी एक महान योजना है। आप जिन परिस्थितियों से घिरे हैं, उनसे घबराएं नहीं। हियाव बान्ध और दृढ़ होकर विश्वास का अंगीकार करके कह, यहोवा मेरा बल और मेरी ढाल है;" भजन संहिता 28:7। वह आपको मजबूत करेगा और बनाए रखेगा।

मेरे प्यारे नौजवानों! जब भविष्य का डर और शारीरिक कमजोरी की चिंता आपके जीवन में थकान ला दे तो घबराएं नहीं। अपनी कमजोरी देखकर मत टूटो। "वह निर्बलों को बल देता है, और जिनके पास नहीं हैं उनको सामर्थ्य देता है।" यशायाह 40:29।

यीशु छुड़ाते है

Youth World

SathiyamTV YouTube Comforter DIGITAL CHANNEL

प्रत्येक शनिवार सथियम टीवी पर सुबह 6:30 बजे
और सुबह 7 बजे यूट्यूब और कंफरटर टीवी पर

प्रिय युवाओं अपने मित्रों को इस कार्यक्रम से परिचित करवाएं और नीचे दिए गए नंबर पर हमें अपने द्वारा प्राप्त की गईं आशीषों के बारें में बताएं 9750955548

महीने के 5वें रविवार को ठीक 3-5 pm तक हम यूट्यूब और फेसबुक पर यूथ रिवाइवल मीटिंग हिन्दी भाषा मे आयोजित करते हैं।

परमेश्वर जो विजय देता है!

"दानिय्येल, दारा के राज्य में और फारसी कुस्रू के राज्य में समृद्ध हुआ।" (दानिय्येल 6:28)

हमारे पास प्रभु यीशु है, परमेश्वर जो हमेशा हमें विजय देता है। दानिय्येल नाम के एक युवक को दास के रूप में बाबुल की भूमि पर ले जाया गया। चूँकि परमेश्वर दानिय्येल के साथ था, उसने उसे विजय का आशीर्वाद दिया, उसे ज्ञान दिया और उसे एक विजेता के रूप में स्थापित किया। नबूकदनेस्सर के शासनकाल के दौरान, राजा के बाद दानिय्येल को सरकार में उच्च पद पर पदोन्नत किया गया था।जब बेलतशस्सर सत्ता में आया, हम वचनों में देखते हैं कि दानिय्येल को उसी स्थिति में रखा गया था और उसने राजा को उसकी चालों के बारे में सलाह दी थी। भले ही राष्ट्र में चार राजाओं को बदल दिया गया था, फिर भी दानिय्येल को हर समय परमेश्वर द्वारा लगातार ऊपर उठाया गया था।

भले ही राज्य बदल गए, दानिय्येल की वृद्धि और सफलता अबाधित थी क्योंकि परमेश्वर जो विजय देता है उसके साथ था। परमेश्वर के बच्चों के रूप में हम सभी को अपने दैनिक जीवन में संघर्ष करना पड़ता है। ठीक जब हम बचाए गए और यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया, हम युद्ध के मैदान में प्रवेश कर चुके थे। यदि आप एक छात्र हैं, तो आप अपने शिक्षाविदों में चुनौतियों का सामना करेंगे, यदि आप एक कर्मचारी हैं तो आपको अपने काम में परीक्षा देनी होगी, यदि आप व्यवसाय में हैं तो आपको इसमें कठिन समय का सामना करना पड़ेगा, या यदि आप सेवकाई में हैं तो आप इसमें लड़ाइयों का सामना करना पड़ेगा। इन बाधाओं के बिना कोई मसीही जीवन नहीं है। लेकिन हमें उन सभी पर विजय प्राप्त करनी है और यही परमेश्वर की इच्छा है।

दानिय्येल ने बेबीलोन में बहुत सी लड़ाइयों का सामना किया। दानिय्येल और उसके दोस्तों, शद्रक, मेशक और अबेदनगो को मूर्ति की पूजा करने के लिए कहे जाने पर आग की भट्टी में डाले जाने जैसा बहुत कुछ सहना पड़ा। परमेश्वर उन्हें विजय प्रदान किया। जब नबूकदनेस्सर लोगों के सिर काटने की धमकी दी, यदि वे उसके स्वप्न का अर्थ नहीं बताते हैं, तब दानिय्येल को एक बार फिर बड़ी लड़ाई का सामना करना पड़ा। परन्तु दानिय्येल शांत रहा और प्रार्थना करता रहा। उसे परमेश्वर का दर्शन मिला और वह युद्ध जीत गया। जब उसे शेर की मांद में फेंका गया, तो उसने एक बार फिर उस पर जय पा लिया।

दानिय्येल अध्याय 6 में, यह दर्ज है कि उसे सिंह की मांद में फेंक दिया गया और वह विजयी होकर निकला।

क्या आप जानते हैं कि परिणाम क्या हुआ? जैसे ही दानिय्येल सिंह की मांद से बाहर आया, दारा नाम का अन्यजाति राजा, जो देश पर शासन करता था, उसने पूरे देश में इस तरह का संदेश भेजा।

"तब राजा दारा ने लिखा: सारी पृथ्वी पर रहनेवाले सब लोगों, जातियों, और भाषाओं के नाम: तुम पर शान्ति बहुतायत से बढ़े। मैं यह आज्ञा देता हूं, कि मेरे राज्य के हर एक राज्य में मनुष्य दानिय्येल के परमेश्वर के साम्हने काँपते और थरथराते रहें। क्योंकि वही जीवित ईश्वर है, और सदा अटल है; उसका राज्य ऐसा है जो कभी न मिटेगा, और उसकी प्रभुता अन्त तक बनी रहेगी।

वही बचाता और छुड़ाता है, और स्वर्ग और पृथ्वी पर चिन्ह और चमत्कारों को प्रगट करनेवाला है, जिसने दानिय्येल को सिंहों की शक्ति से बचाया है" (दानिय्येल 6:25-27)।

दानिय्येल समृद्ध हुआ। एक राष्ट्र के राजा ने सभी भाषाओं में सभी लोगों को पत्र लिखे, कहा, " सभी देशों और भाषाओं के लोग, यह जान लो, कि दानिय्येल का परमेश्वर जीवित परमेश्वर है। यह यीशु उद्धारकर्ता है"। उनके विश्वास और स्वीकृति के बावजूद, यीशु के नाम का हर घर में उच्चारण किया गया। तब परमेश्वर के नाम की महिमा होगी।

यहाँ परमेश्वर एक आदमी के साथ जागृति की योजना को पूरा कर रहे हैं। एक दानिय्येल के द्वारा, परमेश्वर का नाम पूरे देश में महिमा पाया। दानिय्येल के द्वारा जागृति का कारण क्या था ? प्रभु ने जय क्यों दी कि दानिय्येल सफल हो?

"अतः अध्यक्ष और अधिपतियों ने ढूढ़ना चाहा ... कि दानिय्येल के विषय में राज्य के विषय में कोई दोष हो, परन्तु वह विश्वासयोग्य था, और उसके काम में कोई भूल वा दोष न निकला था, इस कारण वे कोई भूल वा दोष न पा सके" (दानिय्येल 6:4)। दानिय्येल ने एक सिद्ध जीवन जीया जिसमें कोई दोष नहीं निकाल सकता था। यहाँ तक कि उसके शत्रु भी, जो उससे ईर्ष्या करते थे और उसे नष्ट करने के लिए उठे थे, दानिय्येल के जीवन में दोष नहीं ढूंढ सके। उसने एक निष्कलंक जीवन व्यतीत किया।

दानिय्येल इस तरह का था कि, "भले ही प्रार्थना करने के खिलाफ कानून हो, भले ही सरकार मेरे सामने खड़ी हो, भले ही शेरों की मांद का द्वार मेरे लिए खोला गया हो, मैं अपनी प्रार्थना बंद नहीं करूँगा। मैं हमेशा की तरह प्रार्थना करूंगा।" वह बिना थके अपनी प्रार्थनाओं में दृढ़ रहा। इसलिए वह सफल था।

जो प्रार्थना में थके हुए हैं, उन्हें परमेश्वर कैसे विजय दिला सकता है? छात्र परीक्षा के दिन से ठीक पहले प्रार्थना की भावना से भर जाते हैं। इसी तरह जब नीट परीक्षा का इंटरव्यू होता है तो छात्रों और अभिभावकों के लिए प्रार्थना की भावना अपने चरम पर होती है। परन्तु जब वे बातें समाप्त हो जाती हैं, तो उनकी प्रार्थनाएं भी लोप हो जाती हैं। अपने प्रार्थना जीवन के बारे में सोचें।

दानिय्येल क्यों दिन में तीन बार प्रार्थना करता था?

"जिस नगर में मैं ने तुम को बन्धी करके भेज दिया है, उस के कुशल का यत्न किया करो, और उसके लिये यहोवा से प्रार्थना किया करो, क्योंकि उसके कुशल से तुम भी कुशल के साथ रहोगे।" (यिर्मयाह 29:7)

"बेबीलोन की शान्ति के लिये प्रार्थना करो। एक बार राष्ट्र के भीतर शांति होगी, ... आपके भीतर शांति होगी," दास के रूप में राष्ट्र में प्रवेश करने से पहले ही परमेश्वर ने दानिय्येल को यह प्रार्थना का विषय दिया था। वह बताता है कि प्रार्थना कैसे करनी है। दानिय्येल इस भविष्यवाणी को जान गया था और उसने बेबीलोन शहर के लिए प्रार्थना की। यह कैसा शहर था? यह ज्योतिषियों और जादूगरों की मूर्तियों से भरा हुआ था। विभिन्न शैतानों से भरा हुआ एक शहर। यह एक ऐसा शहर था जहाँ राजाओं के पास अपने लिए जादूगर और ज्योतिषी भी होते थे। ऐसी भूमि में, ऐसे महल में ऐसे राजाओं के बीच, वह दानिय्येल नाम के एक व्यक्ति को लाता है।

चूंकि हम दानिय्येल की तरह प्रार्थना करने में विफल रहे, हम महान जागृति को देखने में असमर्थ हैं और इसमें देरी हो रही है। दानिय्येल ने दिन में तीन बार प्रार्थना की जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्र में एक जागृति हूई। राजा के फरमान, शेर की मांद और आग की भट्टी के बावजूद दानिय्येल ने प्रार्थना करना कभी नहीं छोड़ा। और यही कारण है कि शैतान दानिय्येल से डरता था। उस प्रार्थना से शैतान कांपने लगा। इसने हर जुबान को यह घोषणा करने पर मजबूर कर दिया कि दानिय्येल का परमेश्वर जो चमत्कार और चिन्ह दिखाता है, वही सच्चा जीवित परमेश्वर है।

प्रिय युवाओ! क्या आज आप चिंतित हैं कि आपकी पढ़ाई, करियर और विवाह में सफलता नहीं मिल रही है? दानिय्येल का परमेश्वर तुम्हारा परमेश्वर भी है। आपको प्रार्थना करने से रोकने के प्रयास में भले ही कितने ही कानूनों का विरोध में आ जाएं, जब आप दानिय्येल की तरह प्रार्थना में दृढ़ हैं, तो परमेश्वर आपके सभी मामलों को जीत में बदल देगा!

परमेश्वर जो हमें बल देता है!

हैलो प्यारे दोस्तों! आप सभी को शुभकामनाएँ। मुझे विश्वास है कि आप सभी हर माह युवा जीवन पत्रिका के द्वारा आशीष पा रहे हैं।

इस उम्र में हम कितने भी खुश क्यों न हों, कभी-कभी हम कमजोर महसूस करते हैं। कुछ चीजें हमें दुखी करती हैं। हमारा मन अक्सर यह महसूस करता है कि हमने केवल असफलताएं देखी हैं और किसी भी चीज में सफल नहीं हुए हैं। ऐसे में हमें एक बात अपने मन में रखनी होगी।

हमें याद रखना चाहिए कि जब प्रेरित पौलुस ने तीमुथियुस को लिखा, तो उसने कहा, "...| क्योंकि मैं उसे जिस पर मैंने विश्वास किया है, जानता हूँ..." (2 तीमुथियुस 1:12)। हमें यह विश्वास करने की आवश्यकता है कि सारी दुनिया को बनाने वाला परमेश्वर हमारे साथ है।

मैं आपको एक घटना बताना चाहता हूं...

पिछले फरवरी (2023) में 'जेबिक्कलाम वांगा' कार्यक्रम में परीक्षा देने जा रहे छात्रों के लिए एक विशेष कार्यक्रम (अचीवर्स) आयोजित किया गया था और उनमें से एक की गवाही ने हमें विस्मय में छोड़ दिया और मैं इसे आपके साथ साझा करना चाहूंगा एक युवक, जो चेन्नई में एक आईटी कंपनी में चौकीदार के रूप में काम करता था, 6 साल के अंतराल में उसी आईटी कंपनी में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में शामिल हो गया। दिलचस्प, है ना? आपको पता है कैसे?

अपने बचपन के दौरान, वह अपने परिवार की स्थिति के कारण अपनी पढ़ाई पर ठीक से ध्यान केंद्रित नहीं कर पाया था। अपनी पारिवारिक स्थिति को समझते हुए, उन्होंने अपनी 7 वीं कक्षा की पढ़ाई पूरी करने के बाद अपनी पढ़ाई छोड़ दी।

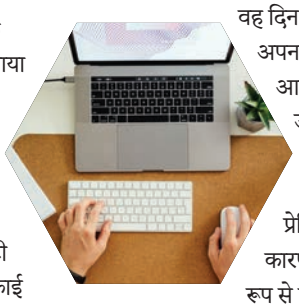

कई वर्षों तक एक जगह से दूसरी जगह काम करने के बाद, आखिरकार 22 साल की उम्र में एक प्रसिद्ध आईटी फर्म में शामिल हो गया, जब उन्हें पता चला कि एक सफाई कर्मचारी की आवश्यकता है। यह नौजवान, उस आईटी कंपनी में बहुत सारे नौजवानों को अच्छी नौकरी और अच्छे पद पर देखकर उनके जैसा बनने की लालसा रखता था। अपने ऑफिस में उन नौजवानों को इतनी अच्छी स्थिति में देखकर, वह अक्सर सोचता था कि इस स्थिति में वह अकेला क्यों है, जो बहुत ही बुनियादी जरूरतों के लिए तरस रहा है।

एक बार उस संस्था में काम करने वाली एक महिला ने उन्हें देखा और उनका हालचाल पूछा। उसने उनके साथ अपने जीवन और कठिनाइयों के बारे में साझा किया। महिला ने सुना और उसे यह कहते हुए प्रोत्साहित किया कि यीशु उसकी स्थिति को बदल सकता है। उसने उसे आशा के शब्द दिए कि इस उम्र में भी वह फिर से पढ़ सकता है और प्रगति कर सकता है। विश्वास के शब्दों को सुनने के बाद, वह धीरे-धीरे प्रार्थना करने लगा और यीशु में अपना विश्वास लाने लगा।

एक हाउसकीपिंग कर्मचारी होने के नाते, वह सफाई का काम करता, और एक बार सफाई के लिए, वह एक सम्मेलन कक्ष में जाता है जहाँ सभा होती है। वहाँ के लोगों को अंग्रेजी में धाराप्रवाह बोलते देख, उसे अंग्रेजी में बोलने की इच्छा हुई और इसके लिए प्रार्थना करने लगा, जब भी उसे अवसर मिलता, वह उनकी बातचीत को ध्यान से सुनता और उनसे सीखने की कोशिश करता। उस महिला से अगुवाई पाकर, उसे विश्वास हो गया कि वह दोबारा पढ़ाई कर सकता है और 24 साल की उम्र में उसने आठवीं कक्षा के लिए आवेदन किया। आठवीं पास करने के बाद उसने सीधे दसवीं के लिए आवेदन किया और दसवीं की परीक्षा भी पास कर ली। 10वीं कक्षा में पढ़ते समय उसने टाइपराइटिंग सीखी।

वह दिन में पढ़ता था और रात में काम पर चला जाता था। जैसा कि उसे अपना और अपने परिवार की आजीविका के लिए पैसों की आवश्यकता थी, वह ऐसे ही कई रातों की नींद हराम करता रहा। उसकी एकमात्र आशा थी "यीशु"। "जो मुझे सामर्थ देता है उस में मैं सब कुछ कर सकता हूं" ।(फिलिप्पियों 4:13)। इस वचन के द्वारा दी गई आशा ने उसे और भी अधिक प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। फिर 6 साल के लगातार प्रयास, मेहनत और दृढ़ता के कारण, वह अपनी डिग्री पूरी करने में सक्षम हुआ और चमत्कारिक रूप से परमेश्वर ने उसे अन्य युवाओं की तरह एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी के रूप में उसी आईटी फर्म में शामिल होने में मदद की, जहां वह एक बार टॉयलेट साफ करता था। उसका विश्वास था कि परमेश्वर हमेशा उसके साथ थे। उसने सार्वभौमिक परमेश्वर में विश्वास किया और जिसने उसे इस महान पद पर पहुँचाया।

मेरे प्यारे युवाओं! आपके जीवन में कोई कमजोरी हो सकती है, आप संघर्ष कर रहे होंगे, आप पढ़ाई न कर पाने के कारण थक गए होंगे, आप अपने शरीर में कमजोरी महसूस कर सकते हैं, आप कुछ हासिल करने की कोशिश करते हैं और वो होता नहीं या आप सफल नहीं होते। बस याद रखें कि हमारा यीशु "थके हुओं को बल देता और निर्बलों को सामर्थ देता है" (यशायाह 40:29)। वह आपको दृढ़ करेगा। वह आपकी थकान में आपको दृढ़ करेगा। यहां तक कि जब परिस्थितियां आपके खिलाफ हों और यहां तक कि जब आप जिन लोगों पर विश्वास करते थे, वे छोड़ दें। परमेश्वर जो आपको मजबूत करता है वह आपकी ओर है। बस उसका इंतजार करो। उस पर पूरा भरोसा करो।

परामर्श में महान

यहोशापात

बाइबल में, इस्राएल के लोगों के लिए कई संघर्ष और युद्ध हुए। इस श्रृंखला के माध्यम से "परामर्श में महान", हम यह देख रहे हैं कि कैसे सर्वशक्तिमान परमेश्वर ने उन्हें उन समस्याओं से छुटकारा दिलाया। पिछले महीने हमने देखा कि कैसे परमेश्वर ने उस बड़े बाधा को बदल दिया जो 'लाल समुद्र' के रूप में था।

इस महीने में हम यहूदा के राजा यहोशापात पर दृष्टि करेंगे। यहोशापात यहूदी देश का राजा यहोवा का भय मानता था, उसकी आज्ञाओं के अनुसार रहता था, और इस्राएल के लोगों को उस परमेश्वर की ओर फेर लाए जो उस से दूर हो गया थे। क्या किसी के जीवन में संघर्ष हो सकता है जो परमेश्वर की चाहत वाला जीवन जीता है? हाँ यह हो सकता है!

जब यहोशापात यहूदा के राज्य में शान्ति से राज्य कर रहा था, तब मोआबी, अम्मोनी, और सेईर के पहाड़ी देश के लोगों ने उसके विरुद्ध सेना इकट्ठी की। ऐसे में कोई भी राजा अपने सेनापतियों से मदद मांगता। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यहोशापात ने इस स्थिति को कैसे संभाला?

यद्यपि यह युद्ध अप्रत्याशित था, यहोशापात ने शांतिपूर्वक प्रभु की खोज की, अपने आप को और अपने देश को प्रभु की तलाश करने के लिए तैयार किया, और पूरे यहूदा में उपवास की घोषणा की। तब यहोवा की भविष्यद्वाणी का वचन उन पर प्रगट हुआ, कि 'यह युद्ध तेरा नहीं, परमेश्वर का है'। हमारे जीवन में अप्रत्याशित रूप से आने वाली किसी भी समस्या और संघर्ष का समाधान न तो इंसान है और न ही हमारी अपनी ताकत और ज्ञान।

यह जानकर, राजा यहोशापात ने अपनी सेना और जनशक्ति की ताकत पहले नहीं रखी, लेकिन उसने प्रभु को उसके सामने रखा और प्रार्थना की। किसी भी युद्ध से पहले आमतौर पर योद्धा भेजे जाते हैं। परन्तु यहोशापात एक स्तुति करने वाली सेना को आगे भेजा जो यहोवा की स्तुति करे। जब वे यहोवा की स्तुति करने लगे, तब तीनों जातियों की सेनाएं एक दूसरे के विरुद्ध खड़ी हुई, और वे जंगल में कटकर मर गए। क्या शानदार जीत है! यहूदा के राष्ट्र के सैनिकों ने न तो तलवार खींची, न खून बहाया, न परिश्रम किया, और न एक को खोया। पर शत्रु परास्त हो गए।

प्रिय युवाओ! हमारा परमेश्वर 'परामर्श में महान है। उसके तरीके हमेशा हमारे से ऊंचे हैं।

स्तुति और प्रार्थना ही एकमात्र हथियार हैं जो हमें अपने जीवन में समस्याओं से निपटने के लिए दिए गए हैं। जब हम उनका सही उपयोग करते हैं, तभी प्रभु हमारे लिए अलौकिक चमत्कार कर सकता है और हम विजयी होंगे।

**"क्योंकि मेरे विचार तुम्हारे विचार नहीं हैं,
न ही तुम्हारे मार्ग मेरे मार्ग हैं, यहोवा की यही वाणी है।** (यशायाह 55:8)।

ACHIEVERS 2023

परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए सभा!

हर साल जनवरी के महीने में। परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले छात्रों के लिए नालुमवाड़ी में परमेश्वर के निवास स्थान पर एक सभा आयोजित की जाती है। इस वर्ष 26 जनवरी 2023 को आयोजित सभा में 3000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के कई शिक्षकों ने अपने छात्रों को इस सभा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें लेकर आए। परीक्षा के डर, भ्रम, कमजोर यादाश्त और बीमारी के साथ इस सभा में भाग लेने वाले छात्रों ने छुटकारा पाया और इस उम्मीद के साथ सभा से विदा हुए कि वे परीक्षा पास कर लेंगे। भाई मोहन सी. लाजरस् ने "परमेश्वर विजय देता है" विषय पर परमेश्वर के वचन को साझा किया और उनके लिए व्यक्तिगत रुप से प्रार्थना की। डॉ. अंबुराजन ने छात्रों के लिए कुछ परीक्षा की युक्तियाँ साझा कीं। छात्र नई आशा और उत्साह के साथ सभा से विदा हुए। परमेश्वर की महिमा हो!

प्रार्थना गाइड

मार्च 2023

1 लगभग 11.5 करोड़ लड़कों की शादी हो चुकी है। आइए हम हर बच्चे की मानसिकता में बदलाव के लिए प्रार्थना करें।

2 आइए हम दुनिया भर की लगभग 6 करोड़ विवाहित युवा लड़कियों के जीवन में बदलाव के लिए प्रार्थना करें।

3 आइए हम प्रार्थना करें कि दुनिया भर में 2 से 17 साल के बीच के 100 लाख बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा को रोका जा सके।

4 आइए हम भारत में ड्रग्स का इंजेक्शन लगाने वाले लगभग 8.50 लाख लोगों के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें।

5 लगभग 4.60 लाख बच्चे और 18 लाख वयस्क पाउडर के रूप में नेज़ल इनहेलेशन दवाओं की लत में हैं। आइए हम इस लत से उनके छुटकारे के लिए प्रार्थना करें।

6 भारत में 24 करोड़ लोग पान और हंस जैसे नशीले पदार्थों के आदी हैं। आइए हम इस लत से उनके छुटकारे के लिए प्रार्थना करें।

7 दुनिया की 3.6-6.6 फीसदी आबादी नशे की आदी है. आइए हम इस लत से उनके छुटकारे के लिए प्रार्थना करें।

8 आइए हम उन युवाओं के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो नशे के आदी हैं और आत्महत्या करते हैं।

9 पिछले 10 वर्षों में, लगभग 71% मौतें नशीली दवाओं से संबंधित बीमारियों के कारण हुई हैं। आइए हम प्रार्थना करें कि ऐसी मौतें दोबारा न हों।

10 आइए हम राष्ट्र में महिलाओं की सुरक्षा और सभी क्षेत्रों में उनकी प्रगति के लिए प्रार्थना करें।

11 आइए हम महिलाओं के खिलाफ अपराधों की रोकथाम और पथभ्रष्ट महिलाओं के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें।

12 आइए हम महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा की रोकथाम और उन पर परमेश्वर की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।

13 आइए हम शारीरिक रूप से अक्षम लोगों की सुरक्षा और उद्धार के लिए प्रार्थना करें, जो दुनिया की आबादी के 650 लाख से अधिक हैं।

14 90% शारीरिक रूप से अक्षम बच्चे अपनी स्कूली शिक्षा से मना करते हैं, आइए हम उनके भविष्य के लिए और उन्हें उचित शिक्षा मिलने के लिए प्रार्थना करें।

15 आइए हम अपने प्रभु से शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए प्रार्थना करें के वे गरीबी पर जय पाएं और सरकार उनकी जरूरतों में उनकी मदद करे।

16 हमारे देश में 1 लाख में से 300 लोग टीबी से ग्रसित हैं। आइए हम उनके ठीक होने के लिए प्रार्थना करें।

17 भारत में टीबी की मृत्यु दर 4-5 प्रतिशत है। आइए प्रार्थना करें कि टीबी पूरी तरह से समाप्त हो जाए और मृत्यु को रोका जा सके।

18 आइए हम टीबी पीड़ितों के बेहतर इलाज और जागरूकता के लिए प्रार्थना करें।

19 आइए हम अफ़ग़ानिस्तान में गंभीर सूखे और शासन परिवर्तन के कारण आर्थिक संकट के कारण भूखे मरने वाले 23 लाख लोगों की ज़रूरतों के लिए प्रार्थना करें।

20 5 वर्ष से कम आयु के एक करोड़ बच्चे भोजन, दवा और पीने के पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के बिना पीड़ित हैं। आइए हम उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रार्थना करें।

21 हम प्रार्थना करें कि लोग दरिद्रता और पाप के श्राप से छुड़ाए जाएं, और इस देश में से जिन बातों से परमेश्वर घिन करता है वे सब मिट जाएं।

22 आइए हम प्रार्थना करें कि 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले 8 लाख छात्रों का डर दूर हो।

23 आइए हम इस वर्ष तमिलनाडु में 10वीं की बोर्ड परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए प्रार्थना करें।

24 आइए हम प्रार्थना करें कि परमेश्वर परीक्षा के दिनों में छात्रों को किसी भी बीमारी या पारिवारिक समस्याओं से बचाए।

25 आइए हम उनके अध्ययन के लिए अच्छे माहौल के लिए प्रार्थना करें। एक अच्छी याददाश्त रखने के लिए और वह सब कुछ जो वे अपने दिमाग में गहराई से डालने के लिए पढ़ते हैं।

26 आइए हम उन सभी बाधाओं के खिलाफ प्रार्थना करें जिनके कारण छात्रों की एकाग्रता भंग होती है और उनकी थकान दूर हो।

27 आइए हम प्रार्थना करें कि विद्यार्थियों में से परीक्षा का डर दूर हो और इन विद्यार्थियों के हृदय में आत्मविश्वास और आनंद हो।

28 आइए हम अपने राष्ट्र में विश्वासियों और पासवानों के बीच एक जागृति के लिए प्रार्थना करें।

29 आइए हम प्रार्थना करें कि लोग उन लोगों को पहचानें और उन से सावधान रहें जो कलीसियाओं में झूठी शिक्षा लाते हैं।

30 आइए हम प्रार्थना करें कि भारत के सभी कलीसियाएं सुसमाचार सुनाने वाली कलीसियाएं बन जाएं।

31 आइए हम कलीसियाओं और परमेश्वर के लोगों के विरुद्ध शैतान की योजनाओं के विनाश के लिए प्रार्थना करें।

प्रत्येक दिन एक मिनट लें और उस विशेष तिथि पर दिए गए प्रार्थना बिंदु के लिए पूरे मन से प्रार्थना करें!

अपने वादों को विरासत में पाने के लिए नियम और शर्तें

अपने आप को विनम्र करें और आशीषित हों।

प्रिय भाई, बहन!

इस नए महीने में इस लेख के माध्यम से आपसे मिलने का एक और मौका देने के लिए मैं अपने प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की हृदय से प्रशंसा करता हूं। आप में से कई लोग चिकित्सा, इंजीनियरिंग और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए सार्वजनिक परीक्षा, पात्रता परीक्षा और प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे होंगे। विजेता हो तुम! बधाई हो। आप उड़ते रंगों के साथ उतरेंगे!

एक बार फिर, मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा कि हर वादे के लिए हम परमेश्वर की शर्तों को देख सकते हैं। बिना शर्तों के वादे कम ही देखने को मिलते हैं। वचनों को पूरा करने के लिए परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन भी आवश्यक है। लोगों के बाइबिल के अनुभव से हम इस पर मनन कर रहे हैं। इसी क्रम में, आइए हम इस महीने हाजिरा के अनुभव पर मनन करें।

हाजिरा

'हाजिरा' का अर्थ अजनबी होता है। वह मिस्र की महिला थी जो मिस्र की सभ्यता, ज्ञान और विशेषताओं में पली-बढ़ी थी। दासों के कानून के अनुसार, वह इब्राहीम और सारै के घर में काम कर रही थी।

प्रभु जिसने इस दासी को उत्पत्ति 16:10 में वचन दिया था कि "मैं तेरे वंश को बहुत बढ़ाऊंगा, यहां तक कि उसकी गिनती बहुतायत में न होगी", साथ ही एक शर्त भी दी - प्रभु के दूत ने उससे कहा, "अपनी स्वामिनी के पास लौट जाओ, और अपने आप को उसके वश में कर दे।" (उत्पत्ति 16:9)

हालाँकि यहोवा ने इब्राहीम और सारै को एक बच्चा देने का वादा किया था, इस वादे के 10 साल बाद भी उनके पास आनंद लेने के लिए कोई बच्चा नहीं था। वे काफी बूढ़े हो रहे थे और उनकी बच्चा पैदा करने की लालसा भी बढ़ती जा रही थी।

फिर भी वादा पूरा नहीं हुआ। ऐसी स्थिति में सारै शीघ्रता से मिस्री दासी हाजिरा के माध्यम से अपने परिवार का निर्माण करने का निर्णय लेती है और उसका विवाह पति इब्राहीम से कर देती है।

सारै की आशा के अनुसार हाजिरा ने एक बच्चे को जन्म दिया। एक बार हाजिरा ने गर्भ धारण कर लिया, तो वह अपनी स्वामिनी के प्रति आभारी होना भूल गई, बल्कि खुद पर गर्व करने लगी, अपनी स्वामिनी की बातों को तुच्छ जाना और अपनी निःसंतान स्वामिनी को हेय दृष्टि से देखने लगी।

परिणामस्वरूप, सारा ने अपनी दासी हाजिरा के साथ कठोरता से व्यवहार किया। इस तथ्य को नज़रअंदाज़ करते हुए कि वह एक गर्भवती महिला थी, सारै ने हाजिरा को बेरहमी से सज़ा देने, सताने और परेशान करने के द्वारा उस पर अत्याचार किया।

हाजिरा अब और विरोध नहीं कर सकती थी। आखिरकार, हाजिरा अपनी स्वामिनी के घर से भाग गई, भले ही वह जानती थी कि एक दासी के लिए अपने स्वामी से दूर भागना एक अपराध था (उत्पत्ति 16:16)। वह चिंतित थी कि गर्भ में बच्चे को लेकर

कहां जाऊं? उसकी देखभाल कौन करेगा? उसका दिल इस डर से भर गया था कि वह इस बच्चे को कैसे जन्म देगी। यह न जानते हुए कि वह कहाँ जा रही थी, हाजिरा ने अपनी यात्रा जारी रखी।

न तो उसकी स्वामिनी सारै ने अपनी खोई हुई दासी को खोजा, और न इब्राहीम ने उसे ढूंढ़ा, जो हाजिरा के पेट में पल रहे बच्चे का पिता था। ऐसी ही दशा में यहोवा के दूत ने हाजिरा को जंगल में एक सोते के पास पाया। जब किसी ने उसे नहीं खोजा, तो यहोवा उसे ढूंढ़ता हुआ आया। हाल्लेलुयाह!

जिस प्रभु ने हाजिरा को ढूंढ़ा था, उस ने उस की ओर देखकर पूछा, 'तू कहां से आती है? तू कहां जा रही है? उसने उसे अपनी स्वामिनी के पास लौटने और उसकी अधीनता में रहने की सलाह दी।

उसने परमेश्वर के साथ यह कहते हुए बहस नहीं की, "मैं उससे दूर भाग आई, मैं उस स्थान पर वापस कैसे जा सकती हूं? मैं उसके चेहरे को फिर से कैसे देख सकती हूं? प्रभु मैं उस क्रूरता को सहन नहीं कर सकती जो वे करते हैं, मुझे कहीं और जाने के लिए कहें और मैं जाऊंगी लेकिन वहां नहीं।" हाजिरा ने यहोवा की बात मानी। जैसा यहोवा ने वचन दिया था, उसने हाजिरा के पुत्र इश्माएल को एक बड़ी जाति बना दिया। हाल्लेलुयाह!

हमारे गांव सीएसआई चर्च में एक नया अनुभवी बिशप नियुक्त किया गया। रविवार की सभा के बाद उनके लिए एक स्वागत पार्टी थी जिसमें चर्च के कुछ बुजुर्गों ने स्वागत संदेश दिया। जब एक बुजुर्ग ने बात की, तो उसने पादरी का स्वागत किया और फिर कहने लगा कि चर्च के सदस्य सरसों के बीज की तरह हैं जो जल्दी से फूटते हैं। इसलिए, उनके कहने का मतलब था कि बिशप के कर्तव्यों को सदस्यों के अनुसार संरेखित किया जाना चाहिए। उनके भाषण पर खूब तालियां बजी।

इसके बाद बिशप की स्वीकारोक्ति हुई और अपने भाषण के अंत में उन्होंने कहा, "एक व्यक्ति ने अपने भाषण में उल्लेख किया कि उनके चर्च के सदस्य सरसों के बीज की तरह हैं। मैं बहुत खुश हूं और सरसों के बीज की तरह होना अच्छा है। लेकिन केवल जब मैं इसे बर्तन में रखूं तो यह फूटना चाहिए और तब तक सरसों के बीज विनम्रतापूर्वक मेरे हाथ में होने चाहिए। इतना कहकर उन्होंने अपना भाषण समाप्त किया।

1 पतरस 5:6 में बाइबल भी यही कहती है, "इसलिये अपने आप को परमेश्वर के बलवन्त हाथ के नीचे दीन करो, कि वह तुम्हें उचित समय पर बढ़ाए।"

प्रिय भाई, बहन!

क्या आपसे आपके ही परिवार में एक गुलाम के रूप में व्यवहार किया गया है ?

क्या आप इसलिए रो रहे हैं क्योंकि आपको अपेक्षित प्यार नहीं मिला?

क्या आप अनिश्चित हैं कि आप अपने जीवन में कहां जा रहे हैं?

क्या आपके साथ बहुत कठिन व्यवहार किया जाता है?

क्या आप तनाव की स्थिति में हैं?

क्या आप इस बात से परेशान हैं कि आपका विलाप सुनने वाला कोई नहीं है?

क्या आप रोते हैं कि आपको ढूँढने वाला कोई नहीं?

क्या आप अपने परिवार से दूर भागने की सोच रहे हैं?

आपसे प्यार करने के लिए यीशु नामक एक प्रेमी पिता है। प्रेमी पिता जिसने हाजिरा को खोजा और उसका विलाप सुना, वह आपको भी ढूंढ़ने आया है।

जिस प्रभु ने हाजिरा को आशीष दी, जिस ने अपनी स्वामिनी द्वारा क्रूर व्यवहार का सामना किया, और उसके पुत्र इश्माएल के द्वारा एक बड़ी जाति बनाई, वह निश्चय उन लोगों के सामने, जो आप से कठोर व्यवहार करते हैं, आपको ऊंचा करेगा और आशीष देगा।

क्या आपके माता-पिता कह रहे हैं कि वे आपकी वजह से शर्मिंदा हैं? क्या वे आपको यह कहकर परेशान कर रहे हैं कि 'आपकी वजह से हम परिणाम गंवाने वाले हैं'? या, क्या वे आपको यह कहकर धमका रहे हैं कि "आपका जीना बेकार है"? मेरी प्यारी बेटी, क्या तुम अपने घर, अपने स्कूल या यहाँ तक कि इस दुनिया से दूर जाने की सोच रही हो? बेटा, तुम मरने के लिए नहीं बल्कि कुछ हासिल करने के लिए पैदा हुए हो।

जैसे हाजिरा अपनी स्वामिनी के पास वापस चली गई जिसने उससे घृणा किया और उसके साथ कठोर व्यवहार किया, और उसके अधीन हो गई और प्रभु की आशीषों को विरासत में मिला... उसी तरह, आप जहां हैं वहीं रहें और स्वयं को अपने माता-पिता, शिक्षकों, मार्गदर्शन करने वालों के अधीन करें, अपने वरिष्ठों के लिए, उन लोगों के सामने हासिल करने के उत्साह के साथ जिन्होंने आपको अपमानित किया। उपयुक्त समय आ गया है। प्रेम करने वाले पिता यीशु आपको विजेताओं के रूप में ऊंचा करें और आपकी आने वाली पीढ़ी को आशीष दें!

अपने आप को विनम्र करें और आशिषित रहें!

द ट्रैक

जागृति की दौड़

'द ट्रैक' नाम की इस श्रृंखला के माध्यम से हर महीने हमें यह पता चल रहा है, की 'जिन्हें परमेश्वर ने जागृति के लिए चुना था, उन्होंने अपनी दौड़ कैसे दौड़ी, जिन चुनौतियों का उन्होंने सामना किया और उन्होंने इसे कैसे अंजाम दिया, पिछले महीने हमने देखा कि कैसे परमेश्वर ने बेकार कोढ़ियों का इस्तेमाल किया, एक राष्ट्र के अकाल को बदलने के लिए और एक मैराथन धावक अलेक्जेंडर सोरोकिन के लगभग 7 रिकॉर्ड के विषय।

2021 के पहले 6 महीनों के लिए, कारोना लॉकडाउन के कारण दुनिया भर में मैराथन प्रतियोगिता प्रतिबंधित थी। बाद में लॉकडाउन में खुलने के बाद मैराथन की श्रृंखला की घोषणा की गई। यह घोषणा की गई है कि बर्लिन, लंदन, शिकागो, बोस्टन, टोक्यो और न्यूयॉर्क मैराथन, जिन्हें दुनिया की 6 वीं सबसे बड़ी मैराथन माना जाता है, लगातार 6 सप्ताहों में आयोजित की जाएंगी।

इसलिए हर रेस के लिए सिर्फ 5 दिनों का गैप होगा। यह कई खिलाड़ियों को चुनौतीपूर्ण और असंभव लग रहा था। लेकिन 40 वर्षीय अमेरिकी धावक शलाने फ्लानागन ने चुनौती स्वीकार की और सभी 6 दौड़ में भाग लेने का फैसला किया। गौरतलब है कि वह 2020 में सेवानिवृत्त हुई थीं।

कई चुनौतियों के बावजूद उन्होंने 6 सप्ताह में 6 मैराथन पूरी कर एक रिकॉर्ड बनाया है। बोस्टन और शिकागो मैराथन के बीच केवल एक दिन का अंतर था। उसने 253 किमी की मैराथन 6 सप्ताह में 15 घंटे 49 मिनट में पूरी की और आज वह उभरते हुए मैराथनर्स को प्रशिक्षण दे रही है।

शलाने फ्लानागन के बारे में पढ़ते समय, मेरे मन में बाइबल का एक व्यक्ति आता है। एलिय्याह, भविष्यद्वक्ता, परमेश्वर के द्वारा सामर्थ के साथ उपयोग किया गया था। एलिय्याह की तीव्र दौड़ ने उसे परमेश्वर के लिए महान कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

दौड़ जिसने रथ को हरा दिया

"तब यहोवा की शक्ति एलिय्याह पर हुई, और वह कमर बान्धकर अहाब के आगे आगे यिज्रेल के द्वार तक दौड़ा" (1 राजा 18:46)।

वह एलिय्याह ही था, जिस ने परमेश्वर की आग कर्म्मेल पर्वत पर लाई, और बाल के नबियों को सत्यानाश किया। उसने इस्राएल के लोगों में एक महान जागृति पैदा की।

लेकिन एलिय्याह का काम यहीं खत्म नहीं हुआ। एलिय्याह को इस्राएल पर मेंह बरसाने के लिए प्रार्थना करनी थी। सात बार प्रार्थना करने के बाद, एक बादल उठा, जो एक आदमी के हाथ जितना छोटा था और बिना बारिश के साढ़े तीन साल से सूखी भूमि पर एक धन्य वर्षा हुई। वर्षा होने से पहले, एलिय्याह को अहाब के रथ के आगे इस्राएल को दौड़ना पड़ा। एक आदमी घोड़े से आगे नहीं निकल सकता भले ही वह सबसे छोटा रास्ता अपना ले। यहोवा का हाथ एलिय्याह पर था, अत: उसने रथ को हरा दिया।

आज भी हमारे देश पर जागृति के बादल मंडरा रहे हैं। भारी बारिश की आवाज़ सुनाई दे रही है, और जागृति निकट है। बहुत से लोग जीवित परमेश्वर की ओर मुड़ने वाले हैं। इस जागृति में परमेश्वर ने आपके लिए एक दौड़ को नियुक्त किया है। एलिय्याह की तरह हमारी भागदौड़ बेचैन करने वाली है। हमें सुसमाचार का प्रचार करने के लिए ईमानदारी से प्रयास करने की आवश्यकता है, ताकि जो लोग यीशु से अनजान हैं, वे उसे जान सकें। यदि हम उस दौड़ में दौड़ना चाहते हैं, तो परमेश्वर का हाथ हम पर होना आवश्यक है। इसके अलावा, प्रभु हमें तभी उपयोग कर सकते हैं, जब हम अपनी कमर कस लें और तत्परता के साथ प्रतीक्षा करें।

40 दिनों की अनवरत यात्रा

एलिय्याह ने यहोवा के लिए जो कुछ किया उसमें वह सफल रहा। परन्तु 1 राजाओं 19 में लिखा है, कि वह ईज़ेबेल की धमकियों से घबरा गया, और जंगल में भाग गया। एलियाह के लिए यह एक झटके के रूप में आया, जिसने लगातार सफलता देखी थी। यह सहन न कर पाने पर वह थक गया और एक झाड़ू के पेड़ के नीचे लेट गया।

हमारे जीवन में भी, जब कोई अप्रत्याशित घटना घटित होती है, तो हम थक जाते हैं और न तो प्रार्थना करते हैं, न बाइबल पढ़ते हैं, न ही परमेश्वर को खोजते हैं। एलियाह के साथ भी ऐसा ही हुआ था। तब यहोवा के दूत ने एलिय्याह को दो बार खिलाकर उसका बल बढ़ाया। उस भोजन के बल से वह 40 दिन तक दिन रात चलता रहा, और होरेब नाम पहाड़ पर पहुंचा। भोजन यहाँ परमेश्वर के वचन और प्रतिज्ञा को दर्शाता है।

होरेब हमें परमेश्वर की उपस्थिति और वह स्थान जहाँ परमेश्वर की योजनाएँ जानी जाती हैं (जहाँ परमेश्वर जलती हुई झाड़ी से मूसा से मिला था, जहाँ मूसा ने दस आज्ञाएँ प्राप्त की थीं)। जब एलिय्याह होरेब तक पहुंचा, तब यहोवा ने पूछा, और उसको बल दिया, और उसे काम करने की योजना दी, और उसको फिर दौड़ाया।

जब हमारे जीवन और सेवकाई में समस्याएँ और संघर्ष उत्पन्न होते हैं, तो झाड़ू का पेड़ वह स्थान नहीं है जहाँ हमें जाना चाहिए। इसके बजाय, जब हम होरेब पहाड़ पर जाते हैं, जो हमारे सामने है, तो यहोवा हमें दौड़ाएगा। एलिय्याह ने उसके स्थान पर एलिशा नाम के एक भविष्यद्वक्ता को नियुक्त किया और वह बिना मृत्यु को देखे स्वर्ग पर उठा लिया गया।

प्रिय नौजवानों!

परमेश्वर चाहता है कि बहुत से एलिय्याह इस अंतिम समय के जागृति में उठ खड़े हों। शायद आप ऐसा सोच रहे हों, "मैं अपनी वर्तमान स्थिति में परमेश्वर के लिए कैसे उठ सकता हूँ? मेरी कई कमजोरियाँ हैं, मैं अक्सर थक जाता हूँ, मैं शास्त्रों को पढ़ने में विफल रहता हूँ, फिर मैं आत्मिक जागृति में कैसे दौड़ सकता हूँ?"

याकूब 5:17 कहता है, 'एलिय्याह हमारे समान स्वभाव वाला मनुष्य था;

यदि परमेश्वर ने उस एलिय्याह को सामर्थ दी और बड़े बड़े काम करने के लिये उसका उपयोग किया, तो वह तुम्हें भी सामर्थी बना सकता है और देश को हिला सकता है। उसके लिए, आपको होरेब तक जाने की आवश्यकता है, जो कि परमेश्वर की उपस्थिति है और उससे शक्ति और सामर्थ्य प्राप्त करना है। निश्चित रुप से आपके लिए जागृति में एक बड़ी दौड़ तय है!

Coffee With रिपोर्टर

बुद्धिमान स्त्री

बाइबल में ऐसे बहुत से लोग हैं जिनके नाम पवित्र बाइबल में नहीं हैं, लेकिन वे अपने कामों के लिए जाने जाते हैं। इनमें 2 शमूएल 20 में वर्णित 'बुद्धिमान स्त्री' उल्लेखनीय है। आपको क्या लगता है कि 'यह 'बुद्धिमान महिला' कौन है? वह राजा दाऊद के शासनकाल के दौरान पुराने नियम की अवधि में इस्राएल की भूमि में रहती थी।

इस स्त्री ने अपनी बुद्धि, विवेक, बोलने की कुशलता और साहस से राजा दाऊद के सेनापति योआब और नगर के लोगों से बुद्धिमानी से बातें कीं, और नगर पर आनेवाली विपत्ति को रोककर अपने लोगों की रक्षा की।

नीचे एक काल्पनिक बातचीत है कि अगर हमारे रिपोर्टर ने इस बुद्धिमान स्त्री को ढूंढा और उसका साक्षात्कार लिया होता तो कैसा होता।

रिपोर्टर: नमस्कार बहन!

बुद्धिमान स्त्री : हाय, हैलो !!

रिपोर्टर: बहन, क्या आप हमें अपने बारे में बता सकती हैं?

बुद्धिमान स्त्री: मैं इस्राएल देश में राजा दाऊद के समय में अपने लोगों के साथ शांति से रही।

रिपोर्टर: बहन, आपको पवित्र बाइबिल में "बुद्धिमान स्त्री" के रूप में उद्धृत किया गया है। आपको यह नाम कैसे मिला?. क्या आप हमें इसके पीछे की कहानी साझा कर सकती हैं?

बुद्धिमान स्त्री: ज़रूर। मैं घर के अंदर रहने और घर के काम करने के माध्यम से, मैं हमेशा अपने आस-पास होने वाली चीजों को देखती और जागरूक रहती। जब हम आबेल बेत माका में थे, जो इस्राएल में हमारी मातृ नगरी के समान था, तो मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि हमारे नगर को बाहर से नहीं, परन्तु हमारे ही देश के सेनापति ने घेर लिया है।

रिपोर्टर: क्या आप डर गए थे क्योंकि शहर की घेराबंदी की जा रही थी? क्या आप तनाव में थीं?

बुद्धिमान स्त्री: मेरा मन न तो चिंतित था और न ही भयभीत था। इसके विपरीत, मुझे एहसास हुआ कि कुछ आंतरिक कारण होने चाहिए क्योंकि मेरे देश की रक्षा करने वाला सेनापति ही शहर की दीवार को नष्ट करने की कोशिश कर रहा था।

रिपोर्टर: क्या आप सेनापति योआब को पहले से जानते हैं?

बुद्धिमान स्त्री: मैंने उसके बारे में बहुत कुछ सुना है। मानो वह तलवार लेकर पैदा हुआ हो, उसे लड़ना पसंद है। वह एक महान योद्धा और साहसी व्यक्ति। जीवन की हानि और रक्तपात उसके लिए सामान्य है। लेकिन हमारे लिए वे असहनीय चीजें हैं।

इसलिए मैं किसी तरह उनसे मिलना और बात करना चाहती थी। उन्होंने मेरा अनुरोध स्वीकार किया और मेरी बात सुनी।

रिपोर्टर : मम्म.. फिर क्या हुआ बहन?

बुद्धिमान स्त्री: "क्या आप एक ऐसे शहर को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं जो इस्राएल की माँ है? आप परमेश्वर की विरासत को क्यों निगलना चाहते हैं?" मैंने उससे पूछा।

मुझे डर था कि वह यह पुछने के कारण क्रोधित न हो जाए। लेकिन योआब ने बिना क्रोध के उत्तर दिया।

रिपोर्टर : वाक़ई? सेना का सेनापति होने के नाते, जब आपने उससे प्रश्न किया तो क्या उसे को क्रोध नहीं आया? यह आश्चर्यजनक है! उसने क्या जवाब दिया?

बुद्धिमान स्त्री : मम... बता दूंगी। योआब ने कहा, बिकरी के पुत्र शेबा नाम एक पुरूष ने दाऊद राजा के विरूद्ध हाथ उठाया है; वह तो इसी नगर में है; केवल उसी को सुपुर्द कर दो, तब मैं नगर से निकल जाऊंगा।

मैंने इसके बारे में सोचा। 'यदि मैं उस एक व्यक्ति को न सौंप दूं, तो नगर की शहरपनाह गिर जाएगी। इसकी वजह से कई मानव जीवन और पशुओं की जान जा सकती है। बेगुनाहों की जानों का खून बेवजह बहाया जा सकता है। जीवन और संपत्ति के बहुत नुकसान से बचने के लिए इस एक आदमी को सुपुर्द करने में कुछ भी गलत नहीं है।

इसके अलावा, वह एक विद्रोही है जिसने राजा दाऊद के विरुद्ध हाथ उठाया था। यदि उसे दण्डित नहीं किया गया तो राष्ट्र की शांति बार-बार भंग होगी। इसलिए मैंने प्रण किया कि इसका सिर दीवार से लटका दिया जाएगा।

रिपोर्टर : वाह.... सुपर सिस्टर! बहन आपकी सोचने की क्षमता और परिणाम के बारे में सोचने का साहस ही इस के पीछे का कारण है। आगे क्या हुआ?

बुद्धिमान स्त्री: मैं लोगों के पास गई और इसके परिणाम सुनाए। उन्होंने बिकरी के पुत्र शेबा का सिर काट डाला और योआब के लिये कुएं में से फेंक दिया। जल्द ही हमने तुरहियों की आवाज सुनी। शहर के चारों ओर से घेराबंदी हटा ली गई थी। पिता! तब जाकर हमने राहत की सांस ली। हम स्वतंत्रता के साथ बाहर चले गए।

रिपोर्टर : शाबाश बहन! एक दुष्ट व्यक्ति को नष्ट करना, इतने नुकसान से बचना और पूरे शहर को विनाश से बचाना वास्तव में बहुत ही सराहनीय है बहन!

बुद्धिमान स्त्री: बहुत-बहुत धन्यवाद।

रिपोर्टर: बहन आप हमारे नौजवानों से क्या शेयर करना चाहेंगी?

बुद्धिमान स्त्री: मेरे प्यारे नौजवानों, अगर तुममें कोई ऐसी चीज़ है जो यहोवा के खिलाफ है, तो उसे फेंक दो, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने बिकरी के बेटे शेबा का सिर काटकर फेंक दिया था। यह एक अनैतिक बातचीत हो सकती है जो सद्गुणों को भ्रष्ट करती है, एक ऐसा रिश्ता जिससे परमेश्वर घृणा करता है, बुरी दोस्ती और वासना। ये आपके स्वतंत्र जीवन को मार देते हैं और आपको गुलामी का जीवन जीने की ओर ले जाएंगे। एक छोटा पाप शांति और अमन को नष्ट कर देगा और शरीर और आत्मा पर विनाश लाएगा।

यदि तेरी आंख, हाथ या पांव तुझे ठोकर खिलाए, तो उसे काट डाल। स्वयं यीशु ने कहा है कि लंगड़ा होकर प्रभु के राज्य में प्रवेश करना तुम्हारे लिये इस से भला है, कि दो पांव, हाथ और आंख रहते हुए नरक में डाला जाए, कभी न बुझनेवाली आग में डाला जाए (मरकुस 9:43-47)।

यदि आप किसी पाप के कारण किसी भी प्रकार की दबाव या धमकी का सामना कर रहे हैं तो आज प्रभु के सामने अंगीकार करें। जो शैतान तुम्हें बांधता है वह तुम्हें छोड़ देगा। विनाश टल जाएगा। शांति और आनंद आपको घेरे रहेगा। सब ही आपको 'बुद्धिमान' भी कहेंगे।

"प्रभु का भय मानना बुद्धि का आरम्भ है"

"बुद्धि दुष्टता से दूर हो रही है!"

रिपोर्टर : ठीक कहा आपने बहन।

एक बुद्धिमान स्त्री के रूप में सम्मानित होने के अलावा, हमें अपने बच्चों को भी बुद्धिमान बनाने की सलाह देने के लिए धन्यवाद!

बुद्धिमान स्त्री: धन्यवाद और अलविदा!

समाचार

कनाडा में उड़ी रहस्यमयी वस्तु को अमेरिका ने मार गिराया! गुब्बारों को लेकर दहशत जारी!

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि अमेरिकी एफ-22 विमान ने कनाडा के हवाई क्षेत्र में उड़ रही रहस्यमयी वस्तु को मार गिराया। संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक विशालकाय चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराया, जिसने 1 फरवरी को मोंटाना यूएसए में एक परमाणु हथियार रक्षा अड्डे के ऊपर से उड़ान भरी।

इसी तरह 4 फरवरी को एक अमेरिकी एफ-22 विमान ने एक रहस्यमयी विमान को मार गिराया जो कनाडा की अलास्का सीमा के हवाई क्षेत्र में 40,000 फीट की ऊँचाई पर उड़ रही थी। अमेरिका ने चीन पर जासूसी के लिए गुब्बारों को उड़ाने का आरोप लगाया, लेकिन चीन, जिसने इससे इनकार किया है, ने कहा है कि गुब्बारे को मौसम संबंधी अनुसंधान के लिए उड़ाया गया था, और संयुक्त राज्य अमेरिका ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए मार गिराया।

संयुक्त राज्य अमेरिका, जिसने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया है, ने चीन की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है और संयुक्त राज्य अमेरिका में 6 चीनी विमानन प्रौद्योगिकी कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस मुद्दे ने अमेरिका और चीन के बीच संबंधों में दरार पैदा कर दी है। इस स्थिति में, संयुक्त राज्य अमेरिका के F-22 रक्षा विमान ने कल कनाडा के उत्तर-पश्चिमी भाग में युकोन प्रांत के हवाई क्षेत्र के ऊपर से उड़ने वाली एक गोलाकार आकार की रहस्यमयी वस्तु को मार गिराया।

इस संबंध में, जस्टिन ट्रूडो ने अपने ट्विटर पेज पर कहा, "उत्तर अमेरिकी अंतरिक्ष रक्षा एजेंसी ने हमें सूचित किया कि कनाडा के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में युकोन प्रांत के हवाई क्षेत्र में एक रहस्यमयी वस्तु उड़ रही है। तब मैंने उस रहस्यमयी वस्तु को मार गिराने का आदेश दिया।" कनाडाई और अमेरिकी विमानों ने रहस्यमयी वस्तु को मार गिराने की कोशिश की। उस वक्त अमेरिकी एफ-22 विमानों ने कनाडा के हवाई क्षेत्र में उड़ रही रहस्यमयी वस्तु को मार गिराया। इस बारे में मैंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन से फोन पर बात की। कनाडा इकट्ठे करेगा और युकोन क्षेत्र में गिराए गए वस्तु के मलबे का विश्लेषण करें। रहस्यमय वस्तु की सूचना देने के लिए उत्तर अमेरिकी अंतरिक्ष रक्षा एजेंसी को धन्यवाद, "उन्होंने कहा।

- दिनाकरन, 13 फरवरी, 2023।

सदन में कहा, यूक्रेन में शत्रुता खत्म करने के लिए पुतिन को मना सकते हैं पीएम मोदी

व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी से जब पूछा गया कि क्या भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यूक्रेन और रूस के बीचयुद्ध को रोकने के लिए अब बहुत देर हो चुकी है, तो व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि अमेरिका किसी भी प्रयास का स्वागत करेगा, जिससे यूक्रेन में शत्रुता समाप्त हो सकती है।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने शुक्रवार को कहा, "मैं पीएम (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) को बोलने दूंगा कि वह जो भी प्रयास करने को तैयार हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका किसी भी प्रयास का स्वागत करेगा जिससे यूक्रेन में शत्रुता समाप्त हो सके।" वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या पीएम मोदी के लिए यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध को रोकने या राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को समझाने में बहुत देर हो चुकी है।

- इंडिया टुडे, 11 फरवरी, 2023

हबक्कूक

(भ्रम का समाधान)

प्रिय युवा आत्माओं! इस महीने, छोटे भविष्यवक्ताओं की आठवीं पुस्तक, हबक्कूक के बारे में कुछ दिलचस्प तथ्यों का संक्षेप में सार प्रस्तुत करेंगे।

परिचय

हबक्कूक की पुस्तक हबक्कूक की यहोवा से प्रार्थना के साथ शुरू होती है जहाँ वह इस बात का उत्तर मांगता कि क्यों प्रभु के चुने हुए लोगों को गुलामी की कैद में सताव से गुजरने की अनुमति दी जाती है (हबक्कूक 1:1-4)। दूसरे अध्याय में परमेश्वर अपने सवालों का जवाब देने की कोशिश कर रहे हैं। तीसरे अध्याय में, हबक्कूक कठिन समय में भी प्रभु से पर्याप्त शक्ति और आराम पाता है। वह किताब को एक उच्च नोट के साथ समाप्त करता है कि, "उत्साही विश्वास को कीमत चुकानी पड़ती है और वह कहता है कि वह प्रभु में आनंदित रहेगा चाहे उसमें कितना भी कमी क्यों न हो।"

लेखक: हबक्कूक

अवधि: 607 ई.पू

अध्याय: 3

आयतें : 56

शब्द: 1,476

मुख्य व्यक्ति: हबक्कूक

सारांश

* हबक्कूक का भ्रम: विश्वास का परीक्षण किया जा रहा है और सिखाया जा रहा है (1,2 अध्याय)

* पहला भ्रमः परमेश्वर यहूदा में अन्याय की अनुमति क्यों देता है? (1:1-17 आयत)

* परमेश्वर का जवाब: इस पहली अपील के जवाब में, परमेश्वर (कर्कमीश की लड़ाई के बाद) यहूदियों को दंड देने के लिए कसदियों को भेजता है। (1:5-11 आयत)

* दूसरा भ्रम: एक धर्मी परमेश्वर दुष्ट बेबीलोनियों का उपयोग उन लोगों को दंडित करने के लिए कैसे कर सकता है जो उनसे अधिक धर्मी हैं? (1:12;2:1 आयत)

* परमेश्वर का दूसरा उत्तर: बेबीलोनियों को दंडित किया जाएगा, "धर्मी अपने विश्वास से जीवित रहेगा" (2:2-20 आयत)

* हबक्कूक की स्तुति: विश्वास की विजय (अध्याय 3)

* परमेश्वर की अद्वितीयता के लिए उसकी स्तुति करना (3:1-3 आयत)

* परमेश्वर के पराक्रम के लिए उसकी स्तुति (3:4-7 आयत)

* परमेश्वर उद्देश्य के लिए उसकी स्तुति (3:8-16 आयत)

* उस पर विश्वास के लिए परमेश्वर की स्तुति करना (3:17-19 आयत)

हबक्कूक में मसीह

हबक्कूक में मसीह को धर्मी परमेश्वर (1:5,6), अनन्त परमेश्वर, पवित्र परमेश्वर (1:12), जो विश्वासयोग्य लोगों को जीवित रखता है (2:4) और मुक्तिदाता (3:13,14) के रूप में चित्रित किया गया है।

बेतेल

प्यारे युवा हृदयों को हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम में प्रेम भरा अभिवादन। 'बाइबल में स्थान' शीर्षक के तहत हम बाइबिल में महत्वपूर्ण शहरों की खोज कर रहे हैं। पिछले महीने आपने "कफरनहूम" के बारे में बहुत कुछ सीखा था। इस महीने आइए "बेतेल" नामक प्रसिद्ध शहर के बारे में कुछ रोचक तथ्य जानें।

परिचय

बेतेल का अर्थ है "परमेश्वर का घर"। यह फिलिस्तीन का एक प्राचीन शहर है, जो यरुशलम से लगभग 12 मील उत्तर में ऐ शहर के पास स्थित है। पुराने नियम के समय में इसे एक बहुत ही महत्वपूर्ण शहर माना जाता था। "लूज" शहर का मूल नाम याकूब द्वारा "बेतेल" रखा गया था। बेतेल शब्द का बाइबिल में 60 बार उल्लेख किया गया है। बाइबिल में यरूशलेम के बाद सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला नाम "बेतेल" है। वर्तमान में इस जगह को बीटिन कहा जाता है।

विशिष्टता

• यह वह स्थान है जहाँ अब्राहम ने सबसे पहले एक वेदी बनाई थी और यहोवा की उपासना की थी।

•यह वह जगह है जहां याकूब ने पहली बार एक सपने में परमेश्वर का सामना किया था जब वह अपने भाई एसाव से भाग गया था और परमेश्वर के स्वर्गदूतों को एक सीढ़ी पर चढ़ते और उतरते देखा था जिसका शीर्ष स्वर्ग तक पहुँच गया था (उत्पत्ति 28:12)

• यहीं पर परमेश्वर ने याकूब से प्रतिज्ञा की थी कि 'तेरा वंश भूमि की धूल के समान होगा' और चूँकि वह स्थान महिमामय था और परमेश्वर की उपस्थिति से भरपूर था, इसलिए उसने इसे 'परमेश्वर का घर और स्वर्ग का द्वार' कहा।

• संकट के समय में लोग परमेश्वर से सलाह लेने के लिए बेतेल गए (न्यायियों 20:18, 20:31, 21:2)।

• न्यायियों के समय में, यहाँ वाचा का सन्दूक हारून के पोते पीनहास की देखरेख में लम्बे समय तक रखा गया था (न्यायियों 20:26-28)

• याजकों ने यहां यहोवा के साम्हने होमबलि और मेलबलि चढ़ाए, और यहोवा से पूछा।

• बेतेल इस्राएल के प्रमुख उपासना केंद्रों में से एक था।

बेतेल का विनाश

• इस्राएल के राज्य के विभाजन के बाद, उत्तरी राज्य के राजा यारोबाम ने सोने के दो बछड़े बनाए, और लोगों को देखकर कहा, "देखो, ये तुम्हारे परमेश्वर के हैं, जो तुम्हें मिस्र देश से निकाल लाए हैं," और एक को बेतेल में और एक को दान में ठहराया। (1 राजा 12:26-29)

• सातवीं शताब्दी ईसा पूर्व में, प्रभु के भविष्यवक्ता, योशिय्याह, एक धर्मी राजा द्वारा कही गई भविष्यवाणी की पूर्ति में, उसके धार्मिक सुधारों के हिस्से के रूप में यारोबाम के खड़े होने और मूर्तिपूजा के सभी निशानों के बाद सोने के बछड़े को समाप्त कर दिया (2 राजा 23:4, 13-19)।

• बेतेल में सोने के बछड़े को स्थापित करने के बारे में प्रभु ने भविष्यवक्ता के माध्यम से कई बार यारोबाम को चेतावनी दी लेकिन उसने यहोवा की चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया। (1 राजा 13:1-34)।

• इसलिए भविष्यद्वक्ता होशे ने इसे अवमानना में बेथ-आवेन कहा, यानी, "मूर्ती पूजा का घर"। (होशे 4:15; 5:8; 10:5; 10:8)।

• यारोबाम और उसके बाद के राजाओं की निरंतर अवज्ञा ही बेतेल के विनाश का मुख्य कारण थी।

• अंत में, एज्रा के समय में, बेतेल शहर को जला दिया गया और एक छोटे से गांव में बदल दिया गया (एज्रा 2:28)। बेतेल पूरी तरह से गायब हो गया और नए नियम में कहीं भी इसका उल्लेख नहीं है।